संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 304
पृष्ठ 8
शनिवार
26 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे ही नहीं बड़े भी करेला खाने...

विचार- उन्मादी कठपुतलियों का देश

खेल- 41 साल के डिविलियर्स का तूफान...

भारत ने तैयार किया ऐसा ड्रोन जो बम नहीं बल्कि दुश्मन पर दागेगा सीधे मिसाइल, रक्षा मंत्री ने शानदार सफलता के लिए डीआरडीओ को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के एक परीक्षण रेंज में ड्रोन से प्रक्षेपित की जाने वाली सटीक निर्देशित मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ये परीक्षण कुरनूल में किए गए। सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देते हुए, @DRDO-India ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित राष्ट्रीय मुक्त क्षेत्र रेंज (NOAR) परीक्षण रेंज में यूएवी प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (ULPGM)–V3 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूएलपीजीएम के तीन संस्करण हैं: यूएलपीजीएम वी1, वी2 और वी3। यूएलपीजीएम–वी3 नाम से जानी जाने वाली यह मिसाइल मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) से उच्च–सटीक हमलों के लिए डिज़ाइन की गई है और यह भारत द्वारा अपने रक्षा शस्त्रागार में उन्नत स्वदेशी तकनीकों को एकीकृत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। इस बीच, डीआरडीओ टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) ने यूएलपीजीएम–वी2 संस्करण के लिए कई वारहेड वेरिएंट विकसित किए हैं, जिनमें से प्रत्येक को अलग–अलग युद्धक्षेत्र भूमिकाओं के लिए तैयार किया गया हैरू एंटी–पर्सनल वारहेडरू एक विस्फोट–सह–विखंडन प्रकार, जो पहले से तैयार कठोर स्टील गेंदों का उपयोग करके सैनिकों और नरम–त्वचा वाले वाहनों को बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रूफ बस्टर वारहेडरू एक विस्फोटक रूप से निर्मित प्रक्षेप्य (ईएफपी) जिसका उद्देश्य आरसीसी छतों को भेदना और बंद पड़े आसान लक्ष्यों को निष्क्रिय करना है। एंटी–आर्मर/एंटी–टैंक वारहेडः एक शंक्वाकार आकार का चार्ज जो भारी बख्तरबंद वाहनों और मुख्य युद्धक टैंकों (एमबीटी) को शीर्ष–आक्रमण मोड में नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास लैंड माइन ब्लास्ट, सेना का 1 जवान शहीद और 2 घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शुक्रवार को बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, जब बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, तब जवान कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस घटना में 7 जाट

रेजिमेंट के ललित कुमार नामक अग्निवीर जवान शहीद हो गए, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया जीओसी रुव्हाइटनाइट कोर और सभी रैंक 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 25 जुलाई 2025 को रुकृष्णाघाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक माइन विस्फोट के बाद एरिया डोमिनेशन गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने आगे कहा कि हम इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं। जम्मू–कश्मीर में बारूदी सुरंग विस्फोट कोई नई बात नहीं है।

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान से सम्मानित हुई विजय लक्ष्मी

प्रयागराज। 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' का पाँचवा साहित्यिक अलंकरण समारोह आज दिनांक 25 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार, समय अपराह्न 04 बजे सारस्वत सभागार, लूकरगंज में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवार अब्बास, मुख्य अतिथि कल्पना वर्मा, प्रोफेसर रवि मिश्र, डाक्टर आदित्य नारायण सिंह रहे। इस वर्ष यह सम्मान प्रयागराज की वरिष्ठ कवियत्री विजय लक्ष्मी 'विभा' को संस्था के द्वारा प्रदान किया गया। इसके पूर्व रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। यह सम्मान शहर समता सम्पादक व कवि, लेखक उमेश श्रीवास्तव की पत्नी साधना श्रीवास्तव के नाम से दिया जाता है। इसमें पाँच हजार रुपए का चेक, सम्मान पत्र, पदक तथा अंगवस्त्रम् अध्यक्ष तथा अतिथियों द्वारा दिया गया।

इस सम्मान की नींव संस्था के द्वारा सन् 2021 में रखी गई

सारस्वत सभागार में आयोजित हुई कवि गोष्ठी

थी। इसके पूर्व सन् 2021 में अहिन्दी क्षेत्रवासी शिलांग की हिन्दी भाषा के प्रति विशेष लगाव रखने वाली वरिष्ठ कवियत्री डॉ० अनीता पाण्डा, सन् 2022 में कानपुर की वरिष्ठ कवियत्री सीमा वर्णिका को, सन् 2023 में प्रयागराज की कवियत्री रचना सक्सेना एवं सन् 2024 में सुमन ढ़ीगरा दुग्गल को उनके साहित्यिक योगदान के लिए प्रदान किया गया था। ष्महिला श्री साहित्य साधना सम्मानष् में साधना मात्र एक शब्द नहीं है बल्कि यह साहित्य साधक उमेश जी की जीवनसाथी रही हैं। वह साहित्यकार नहीं थीं लेकिन पुस्तकों से उन्हें बेहद स्नेह था। गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं की पारखी थीं। साहित्यिक चर्चा में कलापक्ष एवं भाव पक्ष में प्रौढ़ता झलकती थी तथा भारतीयता से परिपूर्ण साहित्य की प्रबल समर्थक थीं। वह अपनी सकरात्मक साहित्यिक चर्चाओं के लिए सदैव स्मरणीय रहें, इसी पक्ष को ध्यान में रखते हुए 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान ' की शुरुआत की गई।

दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें अनवार अब्बास, रवि मिश्र, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डाक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, शम्भूनाथ श्रीवास्तव, डाक्टर रामलखन चौरसिया, रंजन पाण्डेय, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, सरिता मिश्र, फरमूद इलाहाबादी, डाक्टर प्रदीप चित्रांशी, रामवीर पथिक, अभिषेक केसरवानी रवि, अशोक कुमुद, शरत श्रीवास्तव, एम एस खान, सेलाल खान, आदि ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर प्रदीप चित्रांशी ने किया।

एफटीए पर अमित शाह बोले- भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर को 'ऐतिहासिक' और प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व और अवसर

का क्षण बताया। भारत और ब्रिटेन ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 112 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ बृहस्पतिवार को एफटीए पर हस्ताक्षर किए। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है।" इस ऐतिहासिक समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यह संधि मोदी की जन–केंद्रित व्यापार कूटनीति के रूप में सामने आई है, जो 95 प्रतिशत कृषि निर्यात पर शुल्क माफ करके देश के किसानों के लिए समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगी। शाह ने कहा कि इससे मछुआरों को भी लाभ होगा क्योंकि 99 प्रतिशत समुद्री निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। उन्होंने कहा, "यह समझौता 'मेक इन इंडिया' (भारत में विनिर्माण करो) के संकल्प को बढ़ावा देगा और हमारे कारीगरों, बुनकरों, कपड़ा, चमड़ा, जूते–चप्पल, रत्न और आभूषणों तथा खिलौनों के लिए व्यापक बाज़ार खोलकर हमारे स्थानीय उत्पादों का वैश्वीकरण करेगा, जिससे उनकी क्षमता एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगी।

नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार, देश को कर रहे गुमराह, खड़गे का पीएम पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस के ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हमें अधिकार के लिए लड़ना इसलिए जरूरी है, क्योंकि मांगने पर भी हमें अधिकार नहीं दिया जाएगा। हमको कभी संघर्ष करना पड़ता है, कभी ताकत दिखानी होती है, चुनाव के वक्त अपने उसूलों पर चलने वाले को चुनकर लाना होता है। उन्होंने कहा कि ओबीसी की आवाज तभी सुनी जाएगी, जब व्ठब् के लोग चुनकर आएंगे। खड़गे ने दावा किया कि मोदी जी खुद को ओबीसी बोलते हैं, पहले वो अपर कास्ट में थे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद

अपनी कम्यूनिटी को ओबीसी लिस्ट में डाल दिया। फिर उन्होंने अपनी चालबाजी शुरू की, ओबीसी के लोगों के बीच बोलते हैं कि 'भाईयों–बहनों मैं पिछड़ा वर्ग का हूं, मुझे सताया जाता है।' लेकिन. . अब वो सबको सता रहे हैं, और अब ये नहीं चलेगा। उन्होंने तीखा तंज सकते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी 'झूठों के सरदार' हैं। झूठ बोलना ही उनका काम है। उन्होंने देश से झूठ बोला कि हर साल युवाओं को 2 करोड़ नौकरी दूंगा, विदेश से कालाधन लाऊंगा, सबको 15–15 लाख दूंगा, किसानों को डैच् दूंगा और बैंकवर्ड क्लास की आमदनी बढ़ा दूंगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी संसद तक में झूठ बोलते हैं। इसलिए हमें लोगों को समझाना चाहिए कि नरेंद्र मोदी देश को गुमराह कर रहे हैं और झूठ बोलने वाले प्रधानमंत्री देश, समाज का भला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज को तीन चीजों की जरूरत है। विचार (शिक्षा), मनुष्य बलऔर आर्थिक बल। इन तीन चीजों में से किसी के पास एक भी नहीं है तो आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस–भाजपा के लोग जहर बांटते हैं। ये लोगों को आपस में बांटने का काम करते हैं, लेकिन हमें एकजुट रहना है। हिम्मत के साथ कांग्रेस पार्टी का साथ देना है। जिस तरह से आजादी के समय लोगों ने साथ दिया था, वैसे ही अगर आप लोगों ने हमारा साथ दिया तो कांग्रेस पार्टी को कोई हिला नहीं सकता।

जाति जनगणना अब राहुल का 'मिशन', बोले- कांग्रेस शासन में हुई गलती को सुधारूंगा

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली में कांग्रेस के 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि मैं 2004 से राजनीति में हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैंने गलती की। मैंने ओबीसी की उस तरह रक्षा नहीं की जैसी मुझे करनी चाहिए थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं उस समय आपके मुद्दों को गहराई से नहीं समझ पाया। उन्होंने कहा कि मुझे अफसोस है कि अगर मुझे आपके (ओबीसी) इतिहास, आपके मुद्दों के बारे में थोड़ा भी पता होता, तो मैं उसी समय जाति जनगणना करा लेता। यह मुझसे हुई गलती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलती नहीं है, यह मेरी गलती है। मैं उस गलती को सुधारने जा रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने काम के बारे में सोचता हूं कि मैंने कहां ठीक काम किया और कहां कमी रह गई, तो मुझे 2–3 बातें दिखती हैं। जमीन अधिग्रहण बिल, मनरेगा, भोजन का अधिकार, ट्राइबल बिल, नियामगिरी की लड़ाई, ये सारे काम मैंने ठीक किए। जहां तक आदिवासियों, दलितों, महिलाओं के मुद्दे हैं, वहां मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए। मैंने अच्छा काम किया। कांग्रेस पार्टी और मेरे काम में एक कमी रह गई– मुझे व्ठब् वर्ग की जिस तरह से रक्षा करनी थी, मैंने नहीं की। इसका कारण है कि मुझे व्ठब् के मुद्दे उस वक्त गहराई से नहीं समझ आए थे। 10–15 साल पहले दलितों के सामने जो कठिनाईयां थीं, वो मुझे समझ आ गई थीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके मुद्दे सामने हैं, वो आसानी से समझ आ जाते हैं, लेकिन व्ठब् की मुश्किलें छुपी रहती हैं। मुझे अगर आपके मुद्दों और परेशानियों के बारे में उस वक्त पता होता तो मैं उसी वक्त जातिगत जनगणना करवा देता। वो मेरी गलती है, जिसे मैं ठीक करने जा रहा हूं। ये एक तरह से अच्छा ही हुआ, क्योंकि अगर उस समय मैंने जातिगत जनगणना करवा दी होती, तो वो आज जैसी नहीं होती। उन्होंने कहा कि देश में दलित, पिछड़ा, आदिवासी, अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी कुल मिलाकर करीब 90: है। लेकिन जब बजट बनने के बाद हलवा बांटा जा रहा था, तो वहां 90: की आबादी का कोई नहीं था। देश की 90: की आबादी ही प्रोडक्टिव फ़ोर्स है। हलवा बनाने वाले लोग आप हैं, लेकिन हलवा वो खा रहे हैं। हम ये नहीं कह रहे कि वो हलवा न खाएं, लेकिन कम से कम आपको भी तो मिले। उन्होंने कहा कि आप मेरी बहन प्रियंका से पूछिएगा कि अगर राहुल ने किसी काम के लिए मन बना लिया तो उस बात को वो छोड़ेगा या नहीं?

एयर इंडिया की फ्लाइट में उड़ान भरते ही आई तकनीकी खराबी, लौटना पड़ा वापस

जयपुर, एजेंसी। जयपुर से मुंबई जा रहा एयर इंडिया का एक विमान तकनीकी खराबी की सूचना के बाद उड़ान भरने के 18 मिनट बाद ही हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ।ब्–612 विमान ने जयपुर हवाई अड्डे से दोपहर 1.35 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन 1.58 बजे वापस लौट आया। पिछले कुछ महीनों से एयर इंडिया की उड़ानों में तकनीकी खराबी और गड़बड़ियों का सामना करना पड़ रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोहा जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ घंटे बाद ही वापस लौट आया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक अधिकारी ने बाद में बताया कि विमान प 375, चालक दल सहित लगभग 188 लोगों को लेकर जा रहा था। इसने सुबह 9.07 बजे कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद इसे सुबह 11.12 बजे वापस लौटना पड़ा।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, बोले-

हर मुश्किल का कराएंगे समाधान

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार जनता की हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी।

सीएम योगी ने ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता और तत्परता से किया जाए।

इसमें तनिक भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे

और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ पहुंचीं थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन बच्चों को प्यार–दुलार करते हुए चॉकलेट और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

पारिवारिक विवाद के बावजूद अनुकंपा नियुक्ति में न हो देरी, मूल उद्देश्य हो जाते हैं बाधित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पारिवारिक विवाद के चलते अनुकंपा नियुक्ति में देरी नहीं होनी चाहिए। देरी से योजना के मूल उद्देश्य बाधित हो जाते हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि विभाग दावे और प्रतिदावे पर विचार करते हुए उचित आश्रित की...

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पारिवारिक विवाद के चलते अनुकंपा नियुक्ति में देरी नहीं होनी चाहिए। देरी से योजना के मूल उद्देश्य बाधित हो जाते हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि विभाग दावे और प्रतिदावे पर विचार करते हुए उचित आश्रित की नियुक्ति बाध्यकारी शर्तों के साथ करे। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने नैना गुप्ता की याचिका पर दिया। वाराणसी की नैना गुप्ता के

पति यूको बैंक में लिपिक थे। 20 जनवरी 2024 को सेवाकाल के दौरान उनका निधन हो गया था। पत्नी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन सास ने जरूरी दस्तावेज देने से इन्कार कर दिया और खुद दावा पेश किया, जिससे नियुक्ति अटक गई थी। नैना ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने कहा कि मृतक की मां की आयु 58 वर्ष है और सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष है। इसलिए उनकी नियुक्ति नहीं की जा सकती। वह अपने दूसरे बेटे के साथ रह रही हैं, जिसका वेतन 13,250 रुपये प्रतिमाह है। अपने ससुर के मकान में रहती हैं। वहीं, याची (मृतक की पत्नी) अपने नाबालिग बेटे के साथ अलग रह रही है और उसके पास अपना मकान नहीं है। याची ने आश्वासन दिया कि वह अपनी सास की जरूरतों का ख्याल रखेगी और वेतन का 20 प्रतिशत देने को तैयार है। इस पर हाईकोर्ट ने यूको बैंक के वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय को याची की नियुक्ति का आदेश दिया और निर्देश दिया कि उसके वेतन से 20 प्रतिशत की कटौती कर हर माह मृतक की मां मीना गुप्ता के खाते में जमा किया जाए। कोर्ट ने बैंक को यह कार्यवाही दो माह में पूरी करने का निर्देश दिया।

सिविल मुकदमों में हार के बाद शुरू आपराधिक कार्यवाही न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिविल मुकदमों में लगातार हार के बाद उन्हीं आधारों पर शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसे कायम रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिविल मुकदमों में लगातार हार के बाद उन्हीं आधारों पर शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसे कायम रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की अदालत ने परशुराम व अन्य की ओर से सीजेएम सिद्धार्थनगर के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार करते हुए की। अभियोजन की कहानी के मुताबिक 19 जून 2006 को एक महिला ने मुकदमा दाखिल कर दावा किया कि वह मृतक कुन्नू की इकलौती पुत्री है। पिता की मृत्यु तीन फरवरी 2005 को हुई थी। शादी के बाद वह नेपाल में रह रही थी। आरोप है कि याचीगणों ने पिता की संपत्ति की फर्जी वसीयत 28 अगस्त 1988 की तिथि से बनवाकर रजिस्ट्री करवा ली। सीजेएम ने इस प्रारंभिक बयान के बाद याचियों के खिलाफ समन जारी कर दिया। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि वसीयत में विपक्षी पुत्री को भी 1/5 हिस्सा दिया गया है। उसी वसीयत को चुनौती देते हुए उसने पहले सिविल वाद दाखिल किया जो खारिज हो गया, फिर अपील व द्वितीय अपील भी खारिज हुई। सिविल मुकदमों में लगातार असफल होने के बाद उन्हीं आधारों पर आपराधिक कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती।

वहीं, सरकारी वकील ने दलील दी कि फर्जी वसीयत बनाना आपराधिक कृत्य है और समन आदेश उचित है, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को मानने से इन्कार कर दिया। कहा कि सिविल विवाद के निपट जाने के बाद आपराधिक प्रक्रिया दुरुपयोग की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए सीजेएम की ओर से जारी समन आदेश व संपूर्ण आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

मनरेगा में लाखों के घोटाले की जांच करने इटवां खुर्द पहुंची टीम, ग्रामीणों से पूछताछ

प्रयागराज। मेजा विकासखंड के इटवां खुर्द में मनरेगा के तहत कराए गए कच्चे व पक्के कार्य में फर्जी मस्टररोल लगाकर लाखों रुपये की अनियमितता का मामला सामने आया हैं। मेजा विकासखंड के इटवां खुर्द में मनरेगा के तहत कराए गए कच्चे व पक्के कार्य में फर्जी मस्टररोल लगाकर लाखों रुपये की अनियमितता का मामला सामने आया हैं। शिकायत पर डीएम ने एडीएम नागरिक आपूर्ति विजय शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी और जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह की संयुक्त

जांच टीम गठित कर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। बृहस्पतिवार को टीम इटवां खुर्द पहुंची। गांव के रतुल सिंह ने मुख्यमंत्री व डीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान, सचिव और रोजगार सेवक की मिलीभगत से वर्ष 2022 से 2025 के बीच मनरेगा के तहत कराए गए कार्य में अनियमितता की गई है। उदाहरण के तौर पर लाली तारा तालाब की खोदाई बिना कराए नौ लाख 60 हजार रुपये निकाल लिए गए। शिकायत पर वर्ष 2025 में जेसीबी लगाकर खोदाई करने का कोरम पूरा किया गया। तालाब में पक्का कार्य भी दिखाया गया है जबकि, मौके पर कार्य नहीं हुआ हैं। फर्जी मस्टररोल लगाकर 13 लाख 35 हजार रुपये निकाल लिए गए। यहीं नहीं, लपरी नदी की सफाई कराने के नाम पर 40 लाख गबन कर लिया गया है। बृहस्पतिवार को अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर शिकायतकर्ता के सामने स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी ने बताया कि जांच रिपोर्ट जल्द ही डीएम को सौंपी जाएगी।

ट्रक चालक की हत्या कर चार करोड़ का कॉपर वायर लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार, एक लाख घोषित है इनाम

प्रयागराज। कौशाम्बी में ट्रेलर चालक की हत्या कर चार करोड़ का कॉपर लूटने वाले इनामी बदमाश कार्तिक राजभर को एसटीएफ प्रयागराज ने पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार कर लिया है। जौनपुर जिले के मूल निवासी कार्तिक राजभर पर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम घोषित किया था।

कौशाम्बी में ट्रेलर चालक की हत्या कर चार करोड़ का कॉपर लूटने वाले इनामी बदमाश कार्तिक राजभर को एसटीएफ प्रयागराज ने पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार कर लिया है। जौनपुर जिले के मूल निवासी कार्तिक राजभर पर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम घोषित किया था। घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही मुठभेड़ में ढेर कर चुकी है। कार्तिक समेत दो बदमाश फरार हो गए थे। एसटीएफ इनकी खोजबीन में जुटी थी।

प्रयागराज–कौशाम्बी हाईवे पर 15 मई की रात बदमाश संतोष ने अपने दो साथियों संग हत्या और लूट की वारदात को अंजाम दिया था। कोखराज थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे के किनारे चालक का शव मिलने के बाद उसकी पहचान राजस्थान के अजमेर निवासी साबर मल मीणा–40 वर्ष के रूप में हुई थी। अगले दिन यानी शनिवार को संतोष और लूट में शामिल अन्य बदमाश कॉपर को ठिकाने लगाने की तैयारी में थे। इस दौरान पुलिस से हुई मुठभेड़ में संतोष मारा गया, जबकि उसके दो अन्य साथी फरार हो गए थे।

चालक को दिया था मिलीभगत का ऑफर

बदमाशों ने पहले चालक से मिलीभगत कर वाहन को हवाले करने की बात कही थी। साथ ही उसे कॉपर बेचकर हिस्सा देने का लालच दिया था, पर जब उन्हें मालूम चला कि चालक स्वयं वाहन का मालिक है और उसने रेलवे का कॉपर वायर लुटवाने से इंकार किया तो बदमाशों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। फिर शव को ठिकाने लगाकर वाहन लेकर फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार लूट में शामिल बदमाश संतोष उर्फ राजू ने मौत से पहले स्वयं इसका खुलासा किया है।

पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में मारे गए बदमाश संतोष उर्फ राजू ने मौत के पहले पुलिस की पूछताछ में लूट की वारदात स्वीकार करने संग कई अन्य खुलासे किए। थानाध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्य ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया बदमाश साथियों संग हाईवे पर माल लदे वाहनों को पहले मिलीभगत कर लूट का प्रयास करते थे। बात नहीं बनने पर लूट या फिर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

इंडोनेशियाई सिमकार्ड से बात करता था मारा गया बदमाश

ट्रेलर चालक की हत्या करने वाले बदमाश शातिर किस्म के थे। वे पुलिस से बचने के लिए वीओआईपी एप के जरिए वाईफाई कॉलिंग करते थे। यही नहीं, मुठभेड़ में मारा गया बदमाश संतोष इंडोनेशिया का सिमकार्ड का इस्तेमाल करता था। उसके पास यह सिम कहां से आया, पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार मारे गए संतोष के पास से जो मोबाइल बरामद हुआ है, उसका सिमकार्ड इंडोनेशिया का है। साथियों से संपर्क के बारे में पूछने पर उसने मोबाइल में वीओआईपी एप दिखाया। बताया कि इसी एप से वह वाईफाई के जरिए बातचीत करते थे, ताकि पुलिस उनकी लोकेशन को ट्रेस न कर सके।

बदमाश के संपर्क में आए चार कबाड़ी भी गिरफ्तार, तीन कानपुर व एक प्रयागराज का निवासी

मुठभेड़ के पहले पकड़े गए बदमाश संतोष उर्फ राजू ने बताया था कि वारदातों को अंजाम देने के पहले उसकी मुलाकात वर्ष 2016 में मुंबई के रहने वाले इम्तियाज से हुई। उसने कॉपर तार, डीजल, पेट्रोल व अन्य माल लदी गाड़ियों में चोरी व लूट की घटना को अंजाम देने की सलाह दी थी।

इम्तियाज ने कानपुर रेल बाजार अंतर्गत चुन्नीलाल चौराहा के शकील से मुलाकात भी कराई। संतोष को शकील ने विश्वास दिलाया था कि वह चोरी व लूट के माल खरीदेगा।

इसके बाद सक्रिय हुई कोखराज पुलिस ने शकील को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में साथी कबाड़ी मो. अकरम निवासी बाबू पुरवा कानपुर, अमित कुमार निवासी गल्ला मंडी नौबस्ता कानपुर और प्रयागराज के एयरपोर्ट अंतर्गत कटहुला निवासी आफताब का नाम प्रकाश में आया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को उनके घर व दुकान से गिरफ्तार कर जेल भेजा चुकी है।

45 फीट रास्ते पर है भूखंड तो बना सकते 25 मंजिला इमारत, फ्लोर एरिया रेशियो भी बढ़ा

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण सहित प्रदेश में शासन ने मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि और मॉडल जोनिंग रेगुलेशन–2025 को लागू कर दिया है। इससे प्रदेश में भवन निर्माण के लिए एक समान नियम प्रभावी हो गए हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण सहित प्रदेश में शासन ने मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि और मॉडल जोनिंग रेगुलेशन–2025 को लागू कर दिया है। इससे प्रदेश में भवन निर्माण के लिए एक समान नियम प्रभावी हो गए हैं। अब फ्लोर एरिया रेशियो भी बढ़ा दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, ग्रुप हाउसिंग के अंतर्गत 45 फीट (लगभग 13.7 मीटर) चौड़ी सड़क से सटे भूखंड पर 25 मंजिल या उससे अधिक ऊंचाई तक की इमारत बनाई जा सकेंगी।

नौ मीटर चौड़ी सड़क से लगे 150 वर्गमीटर भूखंड पर 17 मीटर से अधिक ऊंचाई के भवन का निर्माण किया जा सकेगा। साथ ही छोटे भूखंडों पर तीन या चार मंजिल से ज्यादा ऊंचाई के मकान बनाए जा सकेंगे। नए नियम में नक्शा पास कराने के आवेदन पर पांच से 15 दिन में निर्णय लेना अनिवार्य कर दिया गया है। तय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं करने पर प्रस्ताव स्वतरू स्वीकृत मान लिया जाएगा।

नए नियम में भवन निर्माण की तीन श्रेणियां

1. लो रिस्क निर्माण

– आवासीय भूखंड 100 वर्गमीटर तक

– व्यावसायिक भूखंड 30 वर्गमीटर तक

(यदि यह भूखंड किसी स्वीकृत लेआउट का हिस्सा नहीं है तब भी केवल पंजीकरण कर नक्शा पास कराया जा सकता है। इस प्रक्रिया में कोई शुल्क नहीं लगेगा।)

2. मीडियम रिस्क निर्माण

– आवासीय भूखंड 500 वर्गमीटर तक

– व्यावसायिक भूखंड 200 वर्गमीटर तक

(इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के 15 दिनों में एनओसी मिल जाएगी, लेकिन भू–प्रयोग गलत होने या सड़क की चौड़ाई में गड़बड़ी मिलने पर कानूनी कार्रवाई होगी)

3. हाई रिस्क निर्माण

इसमें अंतर्गत 500 वर्गमीटर से बड़े भूखंड शामिल होंगे। इनके लिए ऑनलाइन आवेदन करने के साथ ही स्वीकृति मिल जाएगी। इस श्रेणी में विशेष और अधिक ऊंचाई के निर्माण भी शामिल हैं।

दुकानों और दफ्तरों को मिलेगी कानूनी मान्यता

नए नियम में यदि कोई मकान 24 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित है और उसमें ऑफिस या दुकान संचालित हो रहे हैं तो अब पीडीए से उसकी स्वीकृति ली जा सकती है। पहले इसे अनधिकृत माना जाता था।

पीछे जगह छोड़ने की पाबंदी खत्म

नए नियमों के तहत 150 वर्गमीटर तक के भूखंड पर अब बगल में सिर्फ एक मीटर की खुली जगह छोड़नी होगी, वहीं पीछे स्थान छोड़ने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इससे छोटे भूखंड स्वामियों को काफी राहत मिलेगी।

नया निर्माण मॉडल पीडीए सहित पूरे प्रदेश में भवन निर्माण को पारदर्शी, सरल और तेज बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। आम जनता को इससे सीधा लाभ मिलेगा। – डॉ. अमित पाल शर्मा, उपाध्यक्ष, पीडीए

यह खास

– लोगों को अनुमोदन के लिए अब महीनों इंतजार नहीं करना होगा।

– छोटे भूखंडों पर अब अधिकतम लाभ लिया जा सकता है।

– उच्च सड़क चौड़ाई वाले क्षेत्रों में ऊंची इमारतें बनाकर शहर के लैंडस्केप को नया रूप दिया जा सकेगा।

29 साल पुराने देवरिया डकैती कांड के 40 से ज्यादा दोषियों की जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देवरिया के 29 साल पुराने चर्चित डकैती कांड के 40 से अधिक दोषियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब समान भूमिका वाले अन्य सह–अभियुक्तों को पहले ही जमानत मिल चुकी है तो इनको जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देवरिया के 29 साल पुराने चर्चित डकैती कांड के 40 से अधिक दोषियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब समान भूमिका वाले अन्य सह–अभियुक्तों को पहले ही जमानत मिल चुकी है तो इनको जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिड़ला और न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की खंडपीठ ने देवरिया के मुन्ना उर्फ अजय कुमार समेत 27 अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। मामला खम्पार (अब श्रीरामपुर) थाना क्षेत्र का है। 18 जनवरी 1995 की सुबह एक घर पर हमला कर लूटपाट करने, मारपीट व जानलेवा हमला करने के आरोप में 58 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। करीब 28 साल चले ट्रायल के बाद देवरिया की सत्र अदालत ने सभी को फरवरी 2024 में दोषी करार देते हुए 10 साल की कठोर कारावास व जुर्माने की सजा सुनाई थी। दंडादेश के खिलाफ सभी दोषियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सजा निलंबित करने व जमानत पर रिहा करने की मांग की। कोर्ट ने 40 से ज्यादा दोषियों को व्यक्तिगत बंधपत्र व दो जमानतदारों की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया है। कहा है कि सभी को ट्रायल कोर्ट के लगाए गए जुर्माने की राशि एक महीने के भीतर जमा करनी होगी।

पुलिस कमिश्नर से मिले एयरफोर्स कर्मी के परिजन, सूदखोर पर गंभीर आरोप

प्रयागराज। एयरफोर्स के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 27 वर्षीय हेमेंद्र सिंह की मौत के मामले में कार्रवाई न होने से नाराज परिजन बृहस्पतिवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने गांव के ही सूदखोर तिलकराज सिंह पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग की। हेमेंद्र का शव 18 जून की सुबह घर से कुछ दूरी पर स्थित उनकी निजी डेयरी में फंदे से लटका मिला था। पिता रामआसरे का आरोप है कि घटना से कुछ घंटे पहले ही सूदखोर तिलकराज सिंह ने हेमेंद्र को धमकी दी थी कि अगर उसने पूरा पैसा वापस नहीं किया, तो वह उसकी पत्नी को उठा ले जाएगा। इसी धमकी से परेशान होकर हेमेंद्र ने यह कदम उठाया।

बदमाशों ने दुकान से उड़ाए 17 हजार रुपये

प्रयागराज। तुलारामबाग में बाइक सवार तीन बदमाशों ने दुकान के गल्ले से 17 हजार रुपये उड़ा दिए। नई बस्ती निवासी जुगुल किशोर की तुलारामबाग स्थित दुकान पर 21 जुलाई की रात एक बाइक पर सवार तीन लोग पहुंचे। एक ने साबुन लिया और दूसरे ने मैगी मांगी। जुगुल अंदर से सामान लाने गए तो आरोपी गल्ले से 17 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। जॉर्जटाउन इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कराई जा रही है।

शिव कुमार पाल बने डिप्टी सॉलिसिटर जनरल, कार्यभार संभाला

प्रयागराज। केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में शिव कुमार पाल को डिप्टी सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद बृहस्पतिवार को उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया। केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में शिव कुमार पाल को डिप्टी सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद बृहस्पतिवार को उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया। शिव कुमार पाल उत्तर प्रदेश सरकार में मई 2018 से जून 2023 तक शासकीय अधिवक्ता और बाद में अपर महाधिवक्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं। विधि क्षेत्र में उनके अनुभव और दक्षता को देखत केंद्र सरकार ने यह नई जिम्मेदारी सौंपी है। इनकी नियुक्ति डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश की जगह पर हुई है। बृहस्पतिवार को अपर सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय में हुए एक समारोह में शिव कुमार पाल का स्वागत किया गया और ज्ञान प्रकाश को विदाई दी गई। अपर सॉलिसिटर जनरल शशि प्रकाश सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवनियुक्त

शिव कुमार पाल व निवर्तमान डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश को शुभकामनाएं दी। ज्ञान प्रकाश 28 अगस्त 2014 से 12 सितंबर 2022 तक सहायक सॉलिसिटर जनरल और 13 सितंबर 2022 से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल के पद पर कार्यरत रहे। इस अवसर पर मुख्य स्थायी अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह, शीतला प्रसाद गौड़, देशदीपक श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश चंद्र श्रीवास्तव, पं. देवेंद्र नाथ मिश्रा, मृत्युंजय तिवारी, विनय सिंह, आत्म प्रकाश त्रिपाठी, सत्य प्रकाश सिंह, संजय यादव मौजूद रहे।

पुल की रेलिंग पर चढ़कर रील बना रहा युवक गंगा में गिरा, जल पुलिस ने बचाई जान

प्रयागराज। शास्त्री पुल की रेलिंग पर चढ़कर बृहस्पतिवार को रील बनाते वक्त एक युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह गंगा में गिर गया। घटना देख मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि समय रहते जल पुलिस, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक की जान बचा ली। गंगा में गिरा युवक लखीमपुर खीरी जिले के मैगलगंज थाना क्षेत्र के मूला पुरवा गांव निवासी ज्ञानेंद्र चौधरी (30) है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक शास्त्री पुल की रेलिंग पर चढ़कर मोबाइल से वीडियो बना रहा था तभी उसका पैर फिसल गया और वह गंगा नदी में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक रविंद्र नाथ के नेतृत्व में जल पुलिस, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम ने तत्काल सर्च ऑपरेशन चलाया। सुरक्षाकर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को नदी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। इंस्पेक्टर रविंद्र नाथ ने लोगों से अपील की कि इस प्रकार की लापरवाही न करें।

सलोरी और शिवकुटी से हटाया अतिक्रमण, 29500 रुपये जुर्माना भी वसूला

प्रयागराज। नगर निगम ने बृहस्पतिवार को शिवकुटी और सलोरी में अभियान चलाया। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के सामने अतिक्रमण हटाए गए। इस दौरान टीम ने चार ट्रक सामान जब्त किए। इसके अलावा 29500 रुपये जुर्माना भी वसूला। सलोरी में अतिक्रमण की लगातार शिकायतें मिल रहीं थीं। वहां लोगों ने सड़कों पर स्थायी निर्माण करा लिए थे। इसे देखते हुए बृहस्पतिवार को अभियान चलाया गया। निगम की टीम दो जेसीबी और छह ट्रक के साथ कार्रवाई के लिए पहुंचीं। इस दौरान एसीपी राजीव यादव की अगुवाई में फोर्स भी मौजूद रही। टीम ने ओम गायत्री नगर, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, अपट्रान चौराहा मार्ग पर कार्रवाई की। इस दौरान स्थायी व अस्थायी सभी तरह के निर्माण गिरा दिए गए। इस दौरान पार्षद राजू शुक्ला और व्यापारियों ने अतिक्रमण प्रभारी अपर नगर आयुक्त अरविंद राय से कार्रवाई कने पर विरोध जताया। व्यापारियों ने समय भी मांगा लेकिन कार्रवाई जारी रही। इस दौरान गुमटियां और ड्रम आदि सामान जब्त कर लिए गए। मौके पर प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आरबी सिंह आदि अफसर मौजूद रहे। सलोरी एवं शिवकुटी में दुकानदारों से तहबाजारी लिए जाने की भी शिकायत रही। निगम की ओर से पूर्व में कराए गए सर्वे में भी यह बात सामने आई थी। अफसरों के अनुसार वहां एक गिरोह सक्रिय था जो दुकानदारों से पैसा लेता था।

वीरांगना फूलन देवी को पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी द्वारा उनके कठिन जीवन संघर्ष को याद करते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट,प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धनवीर

कश्यप सपा जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने पूर्व सांसद फूलन देवी के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि उनके साथ लगातार उत्पीड़न व अत्याचार हुआ उत्पीड़न भेदभाव के विरुद्ध उन्होंने बगावत कर संघर्ष किया। पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी,जिला उपाध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन चौधरी ओमपाल सिंह,सपा नेता सत्येंद्र पाल,इमलाक प्रधान, समाजवादी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अंबेडकर,पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव सुमित पवार बारी,हनीफ इदरीसी,मुकेश वशिष्ठ, रामपाल सिंह पाल, प्रदीप डबास, बालेंद्र मौर्य,आकाश बालियान, इसरार बालियान, गगन बालियान, अंकुर कश्यप, जुनेद आलम, रविन्द्र कुमार सहित अनेक पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीवर लाइन लीकेज से सड़क धंसी सड़क पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने लिया त्वरित संज्ञान

मीनाक्षी चौक के पास सड़क पर हुए गड्ढे की शिकायत पर वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप मौके पर पहुंचे, राहत कार्य कराया शुरू

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्ततम मीनाक्षी चौक के पास शुक्रवार को अचानक एक बड़ा हादसा टल गया, जब सीवर लाइन के लीकेज से सड़क का एक हिस्सा धंस गया और बीच सड़क में ही बड़ा गड्ढा बन गया। इसकी शिकायत मिलते ही

नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने त्वरित संज्ञान लेकर अफसरों को पूरी टीम के साथ मौके पर भिजवाकर राहत कार्य शुरू कराया। वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप भी सभासदों व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क को बंद कराकर जल्द से जल्द गडढा बंद कराने के प्रयास शुरू कराये।

शुक्रवार को शहर के मीनाक्षी चौक के पास ही सड़क किनारे सीवर लाइन के लीकेज के कारण मिट्टी कटाव होने के कारण सड़क धंस गई और एक बड़ा गडढा बन गया। इससे आवागमन भी प्रभावित होने लगा। स्थानीय सभासद नौशाद पहलवान और क्षेत्रवासियों ने तुरंत नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप को मामले से अवगत कराया। शिकायत मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने बिना देर किए पूरे पालिका अमले को मौके पर भेजा। उन्होंने तत्काल लीकेज बंद कराने और गड्ढे को भरवाने की कार्रवाई भी शुरू करवा दी। इसी बीच समस्या की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पालिका के द्वारा शुरू की गई राहत कार्य की प्रगति पर स्वयं निगरानी रखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर आवश्यक निर्देश दिए और सुरक्षा के लिए क्षेत्र में बेरिकेटिंग भी करवाई। गौरव स्वरूप ने कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूरा कराने के प्रयास करते हुए यह सुनिश्चित किया कि जल्द कार्य पूर्ण हो ताकि आवागमन में नागरिकों को गंभीर परेशानी का सामना न करना पड़ा। नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप व भाजपा नेता गौरव स्वरूप के प्रयासों की सराहना की।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा का औचक निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय स्टाफ की उपस्थिति, सफाई व्यवस्था तथा औषधियों की उपलब्धता का गहनता से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान डॉ. तेवतिया ने ओपीडी,

इमरजेंसी वार्ड, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष तथा प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए वहाँ की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर उनकी उपस्थिति पंजिका की जांच की और समय पर मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीएचसी में सफाई व्यवस्था को लेकर उन्होंने संतोष व्यक्त किया, किंतु कुछ स्थानों पर जल निकासी और साफ–सफाई को और बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को एक साफ–सुथरा, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता में होना चाहिए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने दवा भंडार का भी निरीक्षण किया और उपलब्ध जीवनरक्षक दवाओं की सूची की समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी आवश्यक दवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहें और मरीजों को मुफ्त में वितरित की जाएं।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल एवं प्रभावी मार्ग निर्देशन में बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद मिश्रा की मुठभेड़ शैली व मेहनत लगन का जवाब नहीं

बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा व उनकी टीम शातिर इनामी अपराधियों को चखा रहे मुठभेड़ों में पीतल

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने सराहनीय कार्य करने वाली बुढ़ाना पुलिस टीम को 25000 हजार रुपये से पुरस्कार देकर किया

मुजफ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल एवं प्रभावी मार्गनिर्देशन में बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा व उनकी टीम ने अपराध नियन्त्रण करने एवं पुलिस का इकबाल बुलंद करने के साथ साथ अपराधियों में जबरदस्त तहलका मचा रखा है जिनके बहादुरी और दिलेरी की चर्चाए भी अब आम हो रही है। बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक आनंदो मिश्रा का काम करने का तरीका जुदा है वह हर काम को पूरी तरह लग्न एवं निष्ठा के साथ करते है। उनकी अब तक की पुलिस सेवा इस बात की गवाह है कि उन्होंनें सदैव अपने कर्त्वय फर्ज को बाखुबी निर्वहन किया है और देर रात भी शातिर बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा व उपनिरीक्षक संदीप कुमार व उपनिरीक्षक सुमित कुमार व उपनिरीक्षक सुरेंद्र राव व उपनिरीक्षक छविकान्त व उनकी टीम ने मुठभेड़ के दौरान 02 पुरस्कार घोषित शातिर लुटेरे अभियुक्तगण को घायल कर गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अभियुक्तगण जनपद संभल में पंजीकृत लूट के अभियोग में 25–25 हजार रुपये के पुरस्कार घोषित अपराधी हैं।पकड़े गये अभियुक्तगण के कब्जे से 01 बिना नम्बर प्लेट स्पलैण्डर मोटर साईकिल व अवैध शस्त्र बरामद भी बरामद किए है तथा तथा वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने सराहनीय कार्य करने वाली टीम को छ25000 हजार रुपये से पुरस्कार देकर सम्मानित किया अहम भूमिका निभाने वाले उप निरीक्षक संदीप कुमार को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया हैं।अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन मेरठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आदित्य बंसल, क्षेत्राधिकारी बुढाना एवं प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना बुढाना पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही।घटना का संक्षिप्त विवरण– जनपद में अपराध एवं अपराधियों

पर नियंत्रण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में दिनांक 24/25.07.2025 की रात्रि को थाना बुढाना पुलिस विज्ञाना दृ सठेड़ी नहर पुलिया पर चेकिंग की जा रही थी। तभी मेरठ करनाल हाईवे की ओर से ग्राम सठेडी की तरफ 01 मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। नजदीक आने पर थाना बुढाना पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवारों को चेकिंग हेतु रुकने का इशारा किया गया। जिस पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति द्वारा अचानक पुलिस टीम को देखकर मोटरसाइकिल को वापस पीछे मोड़कर भागने लगे । बदमाश होने का शक होने पर थाना बुढाना पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों का पीछा किया गया। कुछ दूरी पर जाकर मोटरसाइकिल तीव्र गति होने के कारण अनियंत्रित होकर फिसल कर गिर गयी। जिस पर दोनो व्यक्ति मोटरसाइकिल को मौके पर ही छोड़कर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर करते हुए सड़क के किनारे पॉपुलर के बाग में घुस गए। बदमाशों के फायर से पुलिस टीम बाल–बाल बची। पुलिस टीम द्वारा बाग की घेराबंदी करते हुए बदमाशों को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण की चेतावनी दी गयी। परन्तु बदमाशों पर पुलिस की चेतावनी का कोई असर नहीं हुआ तथा पुनः पुलिस टीम पर फायर किया गया।थाना बुढाना पुलिस टीम द्वारा बदमाशों की फायरिंग रेंज में घुसकर आत्मरक्षार्थ सूक्ष्म फायरिंग की गयी जिसमें दोनो बदमाश साहिल पुत्र यासीन (बाएं पैर में गोली लगी है) वे अरूण कुमार उर्फ लोकेश उर्फ एलबी पुत्र रामसिह (बाएं पैर में गोली लगी है) घायल हो गए । थाना बुढाना पुलिस द्वारा घायल अभियुक्तगण को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है । घायल / गिरफ्तार अभियुक्तगण की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना बुढाना पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 302/2025 धारा 109(1), 317(5) बीएनएस व 3/25/28 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। घायल गिरफ्तार अभियुक्तगण के नाम साहिल पुत्र यासीन निवासी ग्राम खेडा चौगानपुर थाना ईकोटेक जनपद गौतमबुद्धनगर वे अरूण कुमार उर्फ लोकेश उर्फ एलबी पुत्र रामसिह निवासी ग्राम ममूरा थाना फेस 3 जनपद गौतमबुद्धनगर है। पकड़े गए अभियुक्त तो के कब्जे से बुढाना पुलिस ने 01 स्पलैण्डर मोटर साईकिल बिना नम्बर प्लेट व 02 तमंचे मय 02 जिंदा व 02 खोखा कारतूस 315 बोर भी बरामद की हैं।

श्रावण मास में हुआ शिवलिंग का प्राण प्रतिष्ठा समारोह, बही कविता की बयार

प्रतापगढ़। अवधी साहित्य संस्थान कुंडवा अमेठी के तत्वावधान में रेभिया नदी के तट पर स्थित श्री मल्लिकार्जुन संकटमोचन धाम पर शिवलिंग की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित हुआ आयोजन के समापन के अवसर पर धर्म पर साहित्य हावी हुआ और कवि/साहित्यकारों ने जो कविता रस बरसाया कि क्षेत्रवासी देर शाम तक कविता सरिता मे गोते लगाते रहे! कवियों ने अपनी रसभरी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए अवधी मधुरस ज्ञानेंद्र पाण्डेय ने अपनी रचना

बरगद पनघट पर खड़ा बाँट रहा है छाँव, कछु आये औ कछु गये बैठी पछारे पाँव, पढ़ी! बेल्हा की पावन धरा से सपत्नीक पधारे वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम ने जब

प्रेम की उमंग में तरंग जब आये तो, स्वयं को डुबाने भगवान चले आते हैं पढ़ा तो जनता जनार्दन ने तालियों की गड़गड़ाहट से खूब आशीष दिया

राम बदन शुक्ल पथिक ने अपना काव्य पाठ कि

हर विभाग का चोर है अफ़सर. चलती खूब दलाली है. मेरे देश का कर्णधार ही हमको देता गाली है.

हरिनाथ शुक्ल हरि ने पढ़ा कि

बड़ी मेहनत बा धान की रोपाई मा. दउड़ा दर दवाई मा.

नरेंद्र प्रसाद शुक्ल ने पढ़ा कि

कुछ तो कदम बढ़ाना होगा आज नहीं तो कल. चूके तो पछताना होगा आज नहीं तो कल.

रामेश्वर सिंह निराश ने पढ़ा, हिन्दी मुस्लिम सिख ईसाई सब आपस में भाई भाई हरे रामा जहां धर्म सब प्यारा हिंदुस्तान हमारा ना.

सुरेश चंद्र शुक्ल नवीन ने पढ़ा, फूल खिले हैं गुलसन गुलसन बगिया और बहारों में. तुमको उठा साथी मेरे लाये गलियारे चौबारे में। शबीर अहमद सूरी ने पढ़ा. प्यार ही प्यार है दुनिया में बताना होगा.फूल बागों में नहीं घर में खिलाना होगा. कवि गोष्ठी में डॉ.केशरी शुक्ल,अभिजित त्रिपाठी,विवेक मिश्र, राम कुमारी साहु, जगदंबा तिवारी मधुर, अमर बहादुर सिंह,चंद्र प्रकाश पांडेय मंजुल आदि ने अपनी रसभरी कविताओं से मंत्रमुग्ध कर दिया. इस अवसर परद्द वैभव मिश्र, अखिलेश पाण्डेय, दीपक मिश्र,कैलाश शर्मा,टी पी सिंह,विनोद चंद्र मिश्र, त्रिभुवन पांडेय,मोहन लाल पाण्डेय आदि भारी संख्या में उपस्थित रहे. कवि गोष्ठी का संचालन प्रख्यात कवि समीर मिश्र ने किया. इस अवसर पर जनपद प्रतापगढ़ के वरिष्ठ कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी की धर्मपत्नी श्रीमती माया त्रिपाठी सहित सभी वाणी पुत्रों को सम्मानित किया गया स अंत में अवधी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन पांडेय ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।डॉ. अभिमन्यु पाण्डेय के संयोजन में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गयास

चौधरी नौनिहाल सिंह संग्रहालय एवं कला वीथिका का स्थापना दिवस गरिमामय रूप से संपन्न

प्रयागराज। प्रयागराजसचौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय (सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज) के प्रतिष्ठित चौधरी नौनिहाल सिंह संग्रहालय एवं कला वीथिका का स्थापना दिवस आज अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। यह संग्रहालय विगत वर्षों से न केवल कला और संस्कृति के संरक्षण का केंद्र रहा है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए शोध एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी बन चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि "यह संग्रहालय संस्था की विचारशील परंपरा, सांस्कृतिक उत्तराधिकार और नई पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।" अतिथियों का स्वागत प्रोफ़ेसर अर्चना खरे ने किया उन्होंने महाविद्यालय के संग्रहालय की स्थापना की परिस्थितियों और उसकी भूमिका के बारे में बताया प्रो अजय प्रकाश खरे ने संग्रहालय को इतिहास शिक्षण में अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हर्ष कुमार, तथा मुख्य वक्ता के रूप में इतिहासविद प्रोफेसर अनामिका राय उपस्थित रहीं। उन्होंने भारतीय शिल्पकला, पुरावशेषों के संरक्षण और शिक्षा में संग्रहालयों की भूमिका पर विशेष रूप से ज़ोर दिया तथा संग्रहालयों में स्थित कलाकृतियों को विभिन्न दृष्टियों से देखने की तथा उनसेसंवाद करने की बात कही। विदेशी संग्रहालयों की तुलना में भारतीय संग्रहालयों की भूमिका समाज में उतनी महत्वपूर्ण नहीं है इस मिथक को तोड़ने पर भी ज़ोर दिया इस की कार्यक्रम में प्रयागराज के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रोफेसर मीना श्री यादव, प्रोफेसर

रीतू जयसवाल नेतो, डॉ. अजीता ओझा एवं डॉ. निर्मला सम्मिलित रहीं। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर भावना चौहान ने किया इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉक्टर कमल कृष्णा राय मयंक विश्वकर्मा शशांक शेखर राय अपर्णा मिश्रा आराधना सिंह शिवानी कुशवाहा की अनंत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। संग्रहालय समिति के सदस्य प्रोफ़ेसरसरोज सिंह डॉक्टर नीरज सिंह तथा प्रख्यात इतिहासकार डॉक्टर के सी श्रीवास्तव की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी गरिमापूर्ण बना दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, "संग्रहालय केवल संग्रह नहीं, बल्कि जीवंत संवाद है अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच।" संग्रहालय की कला–वस्तुओं, ऐतिहासिक धरोहरों एवं महाविद्यालय की विरासत को रचनात्मक दृष्टि से चित्रित किया गया। छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं शोधार्थियों की बड़ी उपस्थिति ने इस आयोजन को अत्यंत जीवंत और सार्थक बना दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ

सरोली आम

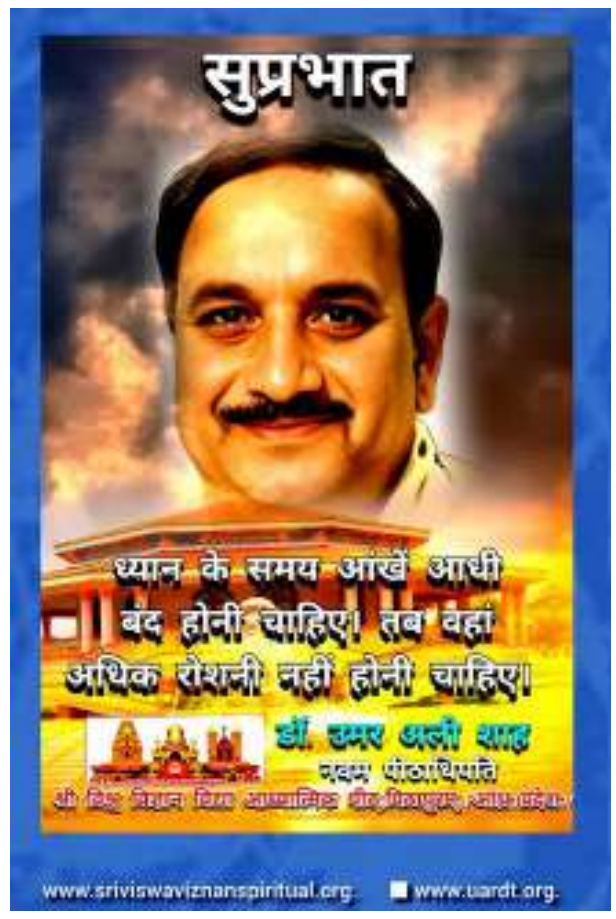

(कुण्डलिया)

चिकने पतले ज़िल्द का, चटक सुनहरा रंग।
आकर्षित सब को करे, कहकर आम– प्रसंग।
कहकर आम– प्रसंग, बताता आम सरोली।
मध्यम है आकार, गोल है सूरत जिसकी।
खाकर कहें प्रदीप,मुलायम गुदे इसके।
रस से हैं भरपूर,ज़िल्द पीले अरु चिकने।।

नाम' सरोली आमश है, पीला जिसका जिस्म।
है गुजराती आम की,मधुर सुगन्धित किस्म।
मधुर सुगंधित किस्म, स्वाद में है यह आला।
मध्यम है आकार,मगर रस का है प्याला।
सुन लो कहें प्रदीप,न समझो हँसी–ठिठोली।
खट्टा–मीठा स्वाद, आम है नाम सरोली।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पौधों को रोपकर मानव अपना स्वास्थ्य अक्षुण्ण रख सकता है: डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम ।श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ (पिठापुरम) के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि पौधों को लगाकर मानव अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकता है।

डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि यदि मानव जीवन को सुखी बनाना है, तो सभी को तीन–तीन पौधे लगाकर पिठापुरम को सुंदर प्राकृतिक जगह बना सकता है।

गुरुवार की सुबह पिठापुरम जिला न्यायालय परिसर में, उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित ष्मेरा पौधा, मेरी साँसष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए उन्होंने सभी लोगों से तीन–तीन पौधे लगाकर पिठापुरम को हरा–भरा बनाकर इस महान कार्यक्रम को सफल बनाने और इस प्रकार स्वास्थ्य बनाए रखने का आह्वान किया।

12वें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री के. श्रीहरि ने कहा कि हम पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से इस महान कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. उमर अली शाह का भाग लेना खुशी की बात है। इस अवसर पर 12वें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री के. श्रीहरि, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश श्री एम. बाबू, प्रधान कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश कुमारी विजया रामेश्वरी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एम. राजा राव, अतिरिक्त लोक अभियोजक श्री बी.एल. डोरा, संस्था के अध्यक्ष श्री कोंडेपुडी शंकर राव, नगर निगम के फ्लोर लीडर श्री अल्लावरपु नागेश, कई वकील और पीठम संयोजक श्री पेरुरी सूरीबाबू, केंद्रीय समिति के सदस्य श्री ए.वी. वी. सत्यनारायण व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने पिठापुरम कोर्ट परिसर में करीब 90 पौधे लगाए।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या : 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/568 दिनांक : 23.07.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/स्पे0/उ0म0रे/प्रयागराज,द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-959-2025 | अनुमानित लागत : रु. 2,35,80,171.58

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के .... से .... सेक्शन के खण्ड में पुराने एवं स्थिति के आधार पर कार्यरत सेक्शन इंसुलेटर को सभी एसेसरीज के साथ बदलने का कार्य।

बिड सिक्योरिटी : 2,67,900.00 | कार्य अवधि : 12 महीना

निविदा सिस्टम : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 14.08.2025 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 14.08.2025 15:00 बजे

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1301/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

सुरक्षा पहले

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध ा पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं। निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा – उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची। अब समय आ गया है कि विभिन्न एयरलाइंस कंपनियां यह समझें कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि प्रचार अभियानों के जरिए ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए आकर्षित करने की कवायद के बीच हवाई सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया, तो ये तमाम लुभावनी कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। निस्संदेह यात्रियों को हर योजना में प्राथमिकता का स्थान मिलना चाहिएय उनकी सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। और जब भी कोई एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी तरह की कोताही बरते, विमानन नियामक को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए।

उन्मादी कठपुतलियों का देश

सर्वमित्रा सुरजन

हमारा राष्ट्रगान जन गण मन को भारत का भाग्य विधाता कहता है। लेकिन ये कैसा भाग्यविध ाान हम रच रहे हैं, जिसमें उन्माद ही उन्माद नजर आ रहा है। सड़क से लेकर सिनेमाघरों तक फिलहाल इस उन्माद के नजारे देखे जा सकते हैं।

ककविवर भवानी प्रसाद मिश्र की कविता है कठपुतली, जिसमें कवि कहते हैं– कठपुतली, गुस्से से उबली बोलीकृ ये धागे, क्यों हैं मेरे पीछे–आगे ? तब तक दूसरी कठपुतलियां बोलीं कि– हां हां हां, क्यों हैं ये धागे हमारे पीछे– आगे? हमें अपने पांवों पर छोड़ दो, इन सारे धागों को तोड़ दो! बेचारा बाजीगर, हक्का – बक्का रह गया सुनकर फिर सोचा अगर डर गया तो ये भी मर गईं, मैं भी मर गया और उसने बिना कुछ परवाह किए, जोर –जोर ध ाागे खींचे उन्हें नचाया! कठपुतलियों की भी समझ में आया कि हम तो कोरे काठ की हैं, जब तक धागे हैं, बाजीगर है तब तक ठाट की हैं, और हमें ठाट में रहना है याने कोरे काठ की रहना है। इसी कविता का एक दूसरा स्वरूप एनसीईआरटी की कक्षा सात की हिंदी पुस्तक में है, जिसमें एक कठपुतली के गुस्से पर, बाकी कठपुतलियां भी कहती हैं कि हां, बहुत दिन हुए, हमें अपने मन के छंद छुए, तो पहली कठपुतली सोचने लगती है कि ये कैसी इच्छा मेरे मन में जगी। दोनों ही प्रकारों में आखिरकार कठपुतलियों को ये मानना पड़ता है कि दूसरों के इशारे पर नाचना ही उनकी नियति है। कठपुतलियां दूर से भले कितनी भी सुंदर और आकर्षक दिखे, उनका सारा अस्तित्व उन धागों से ही है, जो बाजीगर के हाथ में बंधी हैं। कठपुतलियों की तरह अब इस देश की जनता भी ऐसे ही किसी और के धागे में बंधी रस्सियों के सहारे अपने अस्तित्व को निर्भर करती जा रही है। हमारा राष्ट्रगान जन गण मन को भारत का भाग्य विधाता कहता है। लेकिन ये कैसा भाग्यविधान हम रच रहे हैं, जिसमें उन्माद ही उन्माद नजर आ रहा है। सड़क से लेकर सिनेमाघरों तक फिलहाल इस उन्माद के नजारे देखे जा सकते हैं। एक फिल्म आई है सैयारा, जिसने प्रदर्शन के चार दिनों के भीतर ही 84 करोड़ का कारोबार कर लिया है। जिन लोगों ने फिल्म देखी है, उनके मुताबिक एक लंबे अरसे के बाद कोई अच्छी प्रेमकथा बड़े परदे पर देखने मिली है, दोनों नए कलाकारों ने अच्छा अभिनय किया है और इसके गीत भी अच्छे हैं। यानी मनोरंजन के लिहाज से फिल्म अच्छी है, इसलिए लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मगर सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो आ रहे हैं, जिनमें इस फिल्म को देखते हुए रोते, बिलखते, उछलते, एक–दूसरे से गले लगते युवा नजर आ रहे हैं। मनोविज्ञान में इसे एक मनोविकार मास हिस्टीरिया कहते हैं, जो एक ऐसी सामाजिक घटना है जिसमें एक समूह के लोग बिना किसी पहचाने जाने योग्य शारीरिक कारण के समान लक्षण प्रदर्शित करने लगते हैं। सैयारा से पहले एक और फिल्म आई थी छावा, उसे देखकर भी सिनेमा हॉल के भीतर मुसलमानों और मुगल शासन के खिलाफ दर्शक नारेबाजी करते और उन्माद में चीखते दिखे थे। फर्क इतना ही है कि छावा में नफरती उन्माद की लहर थी, सैयारा से रुमानी भावुकता का उन्माद फैल रहा है। ऐसा नहीं है कि सैयारा जैसी प्रेमकथा को देखकर पहली बार ऐसा पागलपन हुआ है। 1981 में कुमार गौरव, विजेयता पंडित की लव स्टोरी और कमल हासन, रति अग्निहोत्री की एक दूजे के लिए, ये दो प्रेमकथाओं वाली फिल्में आई थीं और दोनों को देखकर युवाओं की दीवानगी बढ़ी थी। लेकिन वो दौर सोशल मीडिया का नहीं था, इसलिए तब खबरें प्रकाश से भी तेज गति से नहीं पहुंचती थीं। उस वक्त समाज का माहौल भी काफी अलग था। भावनाओं की ऐसी मुखर अभिव्यक्तियां नहीं होती थीं, जो अब सहज हो जाया करती हैं। बहरहाल, सैयारा को लेकर यह दीवानगी कब तक चलेगी, कहा नहीं जा सकता। इससे प्रभावित युवा व्यक्तिगत तौर पर अपनी ऊर्जा या वक्त को कितना बर्बाद करते हैं, यह उनका निजी मसला है, लेकिन इससे व्यापक रूप से समाज को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। मगर जो दूसरे किस्म का उन्माद सड़कों पर फैलता जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। यह उन्माद धर्म के नाम पर फैला है और सालों साल फैलता ही जा रहा है। 11 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत के साथ ही प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा बुधवार 23 जुलाई को महाशिवरात्रि पर खत्म हो गई। धार्मिक नजरिए से देखें तो यह व्यक्ति को अनुशासित करने की यात्रा है, जिसमें कड़े नियमों से बंधकर भक्त कंधे पर कांवड़ लेकर नंगे पांव चलते हैं। कई ध ार्मों में खुद को कष्ट देकर पुण्य कमाने के तरीके बताए गए हैं। यह भी उसी का एक प्रकार है। लेकिन भाजपा और आरएसएस ने इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की अपनी सनक में कांवड़ यात्रा का राजनीतिकरण कर दिया है। अब कांवड़ यात्राओं में केवल भक्तों को कष्ट नहीं उठाना पड़ता, जो लोग इस यात्रा का हिस्सा नहीं बनते हैं, वे भी कष्ट भोगने के लिए अभिशप्त कर दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा निकालने के लिए सड़कें जाम की जाती हैं, वाहनों के मार्ग बदले जाते हैं, पुलिस प्रशासन को कांवड़ियों की सेवा में लगा दिया जाता है और इससे भी राजनैतिक लाभ मिलने में कमी रह जाए तो सरकारें खुद सेवा के लिए आगे आ जाती हैं। हमने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को कांवड़ियों पर फूल बरसाते और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को कांवड़ियों को भोजन परोसते देखा है। अपनी निजी हैसियत में ये लोग चाहे जितने धार्मिक कर्मकांड करें, लेकिन जब वे सरकार चलाने के लिए गद्दी पर बैठे हैं, तो इनकी पहली प्राथमिकता क्या होना चाहिए, ये सवाल जनता को करना चाहिए। मगर जनता कठपुतली बनी देख रही है कि उसके नेता पूजा में व्यस्त हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों के बंद होने पर बच्चियां रो रही हैं, दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों में घुटनों तक पानी भरा है, बच्चियां परेशान हैं, लेकिन कठपुतली बन चुकी जनता इस बात पर खुश है कि कांवड़ियों को तकलीफ न हो, इसका इंतजाम सरकार ने किया है। यहां तक भी ठीक है, लेकिन कांवड़ लेकर धार्मिक यात्रा पर निकले कई लोग सड़कों पर गुंडागर्दी करते हैं, तय सीमा से कहीं अधिक आवाज में डीजे बजाकर शोर करते हैं, दुकानदारों से लेकर सरकारी ड्यूटी पर तैनात लोगों से मारपीट करते हैं, लड़कियों से अभद्रता करते हैं, क्या उसे भी जनता ने सहजता से लेना शुरु कर दिया है। अगर ऐसा है, तो फिर यह न केवल लोकतंत्र के लिए बल्कि हिंदू धर्म के लिए भी बड़ी खतरनाक बात है। ऐसे रवैये से वाकई धर्म खतरे में पड़ते जा रहा है।

अडिग संघर्ष की परंपरा के प्रतीक थे वी.एस. अच्युतानंदन

पिनाराई विजयन

कॉमरेड वी.एस. अच्युतानंदन संघर्ष की एक शानदार परंपरा, असाधारण दृढ़ संकल्प और अडिग संघर्ष के प्रतीक थे। उनका एक शताब्दी लंबा जीवन, जिसने लोगों की समस्याओं को उठाया और जो लोगों के साथ खड़े रहे, केरल के आधुनिक इतिहास से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। केरल सरकार, माकपा, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और विभिन्न चरणों में विपक्ष का नेतृत्व करने वाले वीएस के योगदान अद्वितीय हैं। इतिहास दर्ज करेगा कि वे केरल की राजनीतिक विरासत का हिस्सा हैं। वीएस का निधन एक युग का अंत है। इससे पार्टी, क्रांतिकारी आंदोलन और संपूर्ण लोकतांत्रिक प्रगतिशील आंदोलन को भारी क्षति हुई है। पार्टी सामूहिक नेतृत्व के माध यम से ही इस क्षति की भरपाई कर सकती है। यह वह समय है जब लंबे समय तक साथ काम करने की कई यादें ताजा हो जाती हैं। वीएस का जीवन क्रांतिकारी आंदोलन में असाध ाारण ऊर्जा और अस्तित्व की शक्ति से चिह्नित एक घटनापूर्ण जीवन था। वीएस का जीवन केरल और कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास में एक संघर्षपूर्ण अध ाय है। इस कॉमरेड का राजनीतिक जीवन, जो मजदूरों और किसानों के विद्रोहों को संगठित करके आंदोलन के साथ आगे बढ़ा, उस अंधकारमय समय को सुधारने के संघर्षों के माध्यम से उभरा जब सामंतवाद और जातिवाद प्रबल थे। साध ाारण शुरुआत से, वे कम्युनिस्ट आंदोलन के विकास के चरणों के माध्यम से केरल के मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। 1964 में जब कम्युनिस्ट पार्टी का विभाजन हुआ, तो राष्ट्रीय परिषद छोड़ने वाले 32 लोगों में से आखिरी बची कड़ी भी वी.एस. के निधन के साथ ही टूट गई। एक मूल्यवान राजनीतिक उपस्थिति जिसने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को समकालीन राजनीति के साथ तालमेल बिठाए रखा था, लुप्त हो गई। एक कम्युनिस्ट नेता, विधान सभा के सदस्य, विपक्ष के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में, श्री वी. एस. ने अनेक योगदान दिए हैं। पुन्नप्रा–वायलार के पर्याय, कॉमरेड, कष्ट, सहनशीलता और जीवनयापन के जीवन से गुजरे। एक मजदूर से वी.एस. बहुत तेजी से मजदूर वर्ग आंदोलन के एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। पार्टी ने वी.एस. का और वी.एस. ने पार्टी का विकास किया। 1940 में, 17 वर्ष की आयु में, वे कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बने और 85 वर्षों तक, लंबे समय तक पार्टी के सदस्य रहे। कुट्टनाड गए कॉमरेड वी. एस. ने खेतिहर मजदूरों द्वारा झेली जा रही मजदूरी और जातिगत गुलामी को समाप्त करने के संघर्ष का नेतृत्व किया। उन्होंने कुट्टनाड के गांवों में घूमकर कृषि श्रमिकों की बैठकें आयोजित कीं और उन्हें एक संगठित शक्ति के रूप में विकसित किया। उन्होंने यह काम जमींदारों और पुलिस को चुनौती देकर किया। वी.एस. ने श्त्रावणकोर कृषि श्रमिक संघश के गठन और बाद में केरल के सबसे बड़े श्रमिक आंदोलनों में से एक, श्केरल राज्य कृषि श्रमिक संघश के रूप में इसके विकास में एक अपूरणीय भूमिका निभाई। वी.एस. के नेतृत्व में अनगिनत संघर्षों ने कुट्टनाड के सामाजिक इतिहास को बदल दिया। वे बेहतर मजदूरी, चप्पा प्रथा के उन्मूलन, रोजगार की स्थिरता और अतिरिक्त जमीन की जब्ती के संघर्षों में सबसे आगे थे। मजदूरों में आत्मविश्वास और टीम भावना जगाने के उनके प्रयासों, खेतों की मेड़ों पर कई किलोमीटर पैदल चलने और उनकी झोपड़ियों में जाने ने सभी को आंदोलन की ओर आकर्षित किया। 1948 में पार्टी पर प्रतिबंध लगने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 1952 में, उन्हें पार्टी का अलप्पुझा संभाग सचिव चुना गया। इस बीच, वे एकीकृत केरल के लिए कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले आंदोलनों में सक्रिय रहे। 1957 में जब कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई, तो वे पार्टी के अलप्पुझा जिला सचिव और राज्य सचिवालय के सदस्य बने। 1959 में, वे पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने। वी.एस. ने अधि शेष भूमि संघर्ष सहित कई साहसी संघर्षों का नेतृत्व किया। उन्होंने विभिन्न समयों पर साढ़े पांच साल से ज्यादा जेल में बिताए। वे 1964 से माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य रहे। वे 1985 में पोलित ब्यूरो के सदस्य बने। उन्होंने 1980 से 1992 तक माकपा राज्य

सचिव और 1996 से 2000 तक एलडीएफ संयोजक के रूप में कार्य किया। 2015 में कोलकाता में आयोजित 21वीं पार्टी कांग्रेस में उन्होंने वृद्धावस्था के कारण केंद्रीय समिति से इस्तीफा दे दिया। बाद में, वे केंद्रीय समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य बने। वे 2001 से 2006 तक विपक्ष के नेता रहे। 2006 से 2011 तक वे मुख्यमंत्री रहे। 2011 से 2016 तक वे फिर से विपक्ष के नेता बने रहे। वे एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने सभी पदों पर अपनी छाप छोड़ी है। कृषि मजदूरों और नारियल रेशा मजदूरों की कठिनाइयों को व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने के बाद, वी. एस. ने अपने अनुभवों को अपनी शक्ति में बदल दिया। शोषितों की मुक्ति के लिए खड़े होने वाले इस साथी ने कृषि मजदूर आंदोलन और कम्युनिस्ट आंदोलन को इसी भावना के साथ आगे बढ़ाया। उन्होंने हमेशा साहस का परिचय दिया। उन्होंने पार्टी विभाजन के बाद के दौर में संशोधनवाद और बाद में अतिवाद के विरुद्ध संघर्ष किया और पार्टी को सही रास्ते पर मजबूती से बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। केवल राजनीति से आगे बढ़कर, वी.एस. ने पर्यावरण, मानवाधिकार और महिला समानता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। इसी प्रक्रिया में, पार्टी नेता रहते हुए भी वी. एस. को जनता की स्वीकृति मिली। सामाजिक महत्व के अन्य मुद्दों को मुख्यधारा के राजनीतिक मुद्दों में लाने में वी.एस. ने प्रमुख भूमिका निभाई। विधानसभा ाायक रहे। उन्होंने 2016 से 2021 तक केरल प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पार्टी और मोर्चे द्वारा बनाई गई नीतियों को लागू करके केरल को आगे बढ़ाया। उन्होंने संकटों में भी बिना किसी हिचकिचाहट के सरकार का नेतृत्व किया। विपक्ष के नेता के रूप में, उन्होंने सदन में कई लोकप्रिय मुद्दे उठाए। उन्होंने विधायी मामलों में भी अपना योगदान दिया। वी.एस. एक ऐसे नेता थे जिन्होंने केरल के राजनीतिक इतिहास पर एक अनूठी छाप छोड़ी है।

सड़क और संसद दोनों सूनी रखने की चाल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बुधवार को सदन में नारेबाजी कर रहे और पोस्टर दिखा रहे विपक्षी सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि सड़क जैसा व्यवहार आप सदन में नहीं कर सकते। माननीय हो, माननीय बने रहो। आपको यहां जनता की आवाज उठाने, उसकी पीड़ा, चिंताओं के बारे में विमर्श करने के लिए भेजा गया है, आप ये सब मत करिए। इसके बाद ओम बिड़ला ने सदन को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया। जिस अंदाज में ओम बिड़ला ने विपक्ष को डांटा–फटकारा, यह अनोखा नहीं है। वे पहले भी सदन के भीतर मर्यादित आचरण बनाए रखने की नसीहत दे चुके हैं। ये और बात है कि उनकी नसीहत केवल विपक्ष के लिए रहती है। सत्ता पक्ष के लोगों पर वे ऐसी सख्ती नहीं दिखाते। अन्यथा किसी सांसद को धर्म के नाम पर अपशब्द कहना या संसद में खड़े होकर चुनावी भाषण देना या किसी पूर्व प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना, ये सारे कारनामे जो भाजपा ने किए हैं, वे नहीं हो पाते। बहरहाल, विपक्ष भी अब जानता है कि सरकार सदन को चलने नहीं देना चाहती, क्योंकि उसे फिर कई ऐसे सवालों का सामना करना पड़ेगा, जिनके जवाब उसके पास नहीं है। सरकार केवल एक ही सूरत में सदन को चलाएगी, जब विपक्ष चुपचाप बैठ कर उसका एकालाप सुने। जो हाल इस वक्त के पत्रकारों का हो गया है, जिन्हें इस बात से भी आपत्ति नहीं होती कि प्रधानमंत्री मीडिया से संवाद करेंगे ऐसा क्यों कहा जाता है, जबकि श्री मोदी अपने से काफी दूर पत्रकारों को खड़ा कर अपना बयान सुनाकर चले जाते हैं। पत्रकार सामने रहें और देश का नेता बोले तो लोकतंत्र के बने रहने का भरम बना रहता है। वर्ना जो कुछ श्री मोदी हर सत्र की शुरुआत में आकर कहते हैं, वह प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के जरिए भी मीडिया संस्थानों तक पहुंचाया जा सकता है। लोकतंत्र का भरम बनाए रखने में लोकसभा अध्यक्ष भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने विपक्ष को याद दिलाया है कि जनता ने आपको किसलिए संसद में चुन कर भेजा है। हालांकि जो नियम विपक्ष पर लागू होता है, वह सत्ता पक्ष पर भी लागू होता है। जनता के सवालों को सदन में अगर सरकार उठाने दे तो फिर यह गतिरोध बनेगा ही नहीं। विपक्ष के लोगों को अपने स्थान से उठकर सामने आने और नारेबाजी करने पर मजबूर ही इसलिए होना पड़ता है कि उनकी बातों को सरकार सुन नहीं रही है। सरकार ने यह तय कर लिया कि प्रधानमंत्री जब विदेश से लौटेंगे तब ऑपरेशन सिंदूर या पहलगाम मुद्दे पर जवाब देंगे। लेकिन प्रधानमंत्री तो संसद शुरु होने के तीसरे दिन विदेश रवाना हुए हैं, जब जीएसटी लागू करने के लिए या वक्फ संशोधन अधिनियम को पारित करने के लिए आधी रात तक संसद चलाई जा सकती है, तो फिर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े इतने गंभीर मुद्दे पर बात करने के लिए इंतजार क्यों करवाया जा रहा है, यह एक बड़ा सवाल है। ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फिर से प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। पत्रकारों से चर्चा में राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ श्री मोदी कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी चल रहा है, दूसरी तरफ वे विजय की बात भी करते हैं, ऐसा कैसे हो सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से युद्धविराम के दावे भी रुक नहीं रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने 25वीं बार यही दावा किया है कि व्यापार की धमकी देकर उन्होंने भारत और पाक के बीच युद्ध रुकवाया है। तीन महीनों में 25 बार एक ही बात का दावा करने की इस रफ्तार को देखें तो जल्द ही ट्रंप इस दावे का शतक बना लेंगे। क्या तब जाकर प्रधानमंत्री इस पर अपना पक्ष सामने रखेंगे और कहेंगे कि मैं कृष्ण की तरह शिशुपाल की सौ गलतियां पूरा होने का इंतजार कर रहा था। बहरहाल, नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत तौर पर यह हिम्मत न दिखा पाएं कि वे अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति के बयान पर कोई पलटवार करें, लेकिन भारत का प्रधानमंत्री होने के नाते तो उन्हें इस बेहूदे दावे का जवाब देने में कोई देर नहीं करनी चाहिए। इस देश की दुनिया में अलग साख है और प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए। यह समझ से परे है कि श्री मोदी सत्ता के 11वें साल में भी क्यों इस गरिमा से वंचित हैं। वे अमेरिका की तरफ से किए जा रहे इस अपमान पर एक बार सख्ती से जवाब देकर तो देखें, उन्हें खुद समझ आएगा कि भारत का प्रधानमंत्री होने के मायने क्या हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने न विदेश में भारत की साख को बनाए रखा है, न वे देश में लोकतंत्र पर हो रहे प्रहार पर फिक्र कर रहे हैं। इसलिए विपक्ष को ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम के साथ–साथ बिहार में हो रहे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ भी संसद में आवाज उठानी पड़ रही है। बुधवार को विपक्ष के सांसदों ने फिर से इसे लेकर प्रदर्शन किया और कई ने तो बाकायदा काले कपड़े भी पहने। विपक्ष चाहता है कि सरकार इस मुद्दे पर भी चर्चा करे क्योंकि यह सीध ो–सीधे मताधिकार पर चोट करने की प्रक्रिया है। जब वोट देने का अधिकार ही लोगों से छिन जाएगा, तब लोकतंत्र कहां तक और कब तक बचा रह पाएगा, यह एक गंभीर सवाल है। क्रोनोलॉजी की भाषा में कहें तो लोग वोट नहीं दे पाएंगे, अपनी पसंद से जनप्रतिनिधि नहीं चुन पाएंगे, जिसकी सत्ता होगी, उसके लोग सदन में पहुंचेंगे और फिर उन्हीं लोगों की सुविधा के लिए कानून बनाएंगे, जिनसे सरकार को फायदा होता है और सरकार जिनको फायदा पहुंचाती है। इसमें लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास की बुनियादी सुविधाएं, संविधान में प्रदत्त मूलभूत अधिकार सब खत्म हो जाएंगे। यानी मामला केवल एक राज्य में हो रही एसआईआर का नहीं है, इसके पीछे बड़ा खेल है जिसे उजागर करने में विपक्ष लगा है। लेकिन ओम बिड़ला समझा रहे हैं कि विपक्ष सड़क की तरह आचरण न करे। यानी भाजपा चाहती है कि उसके राज में सड़कें भी सूनी रहे और संसद भी।

खुल्लम-खुल्ला प्यार करेंगे हम दोनों...

ट्विनिंग लुक में वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया

बी–टाउन के गलियारों में इस समय तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के इश्क के चर्चे हैं। हर जगह बस इस नए लव बर्ड्स की बात हो रही हैं।दोनों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कमेंट करके रिलेशनशिप कंफर्म कर दिया है लेकिन मीडिया के सामने कुछ बोला नहीं है।इसी बीच दोनों एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट हुए। वीर और तारा साथ में एक–दूसरे का हाथ थामे नजर आए। दोनों न केवल साथ पहुंचे, बल्कि सिक्योरिटी चेक–इन के दौरान भी एक–दूसरे का हाथ थामे नजर आए। फोटोग्राफर्स के लिए दिए गए एक पोज के दौरान स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 फेम तारा पूरे जोश और खुशी के साथ मुस्कुराती दिखीं। इस दौरान तारा व्हाइट मिनी ड्रेस में सन ग्लास के साथ दिखीं। शॉर्ट हेयर्स, शेड्स और मिनिमल मेकअप उनके लुक को परफेक्ट बना रहा है। वहीं वीर कैजुअल लुक में नजर आए हैं।उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां फैंस उनके बीच की केमिस्ट्री को लेकर खूब कमेंट कर रहे हैं। हाल ही में तारा सुतारिया एपी ढिल्लों के साथ वीडियो में नजर आईं हैं. तारा ने एपी ढिल्लों के साथ रोमांटिक फोटोज शेयर की थीं। इन फोटोज पर नहीं बल्कि कमेंट पर सबका ध्यान गया। वीर ने इस पोस्ट पर कमेंट किया–माई साथ ही हार्ट इमोजी पोस्ट की। वीर के कमेंट के बाद तारा ने भी रिप्लाई किया। उन्होंने लिखा–माइन। तारा सुतारिया का लव लाइफ काफी चर्चा में रहा है। पहले वे आदार जैन के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन 2023 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। इसके बाद तारा का नाम एक्टर अरुणोदय सिंह से भी जोड़ा गया, लेकिन उन्होंने इन अफवाहों को तुरंत खारिज कर दिया। इसके अलावा, उन्हें रैपर बादशाह के साथ भी स्पॉट किया गया था, मगर ये सब सिर्फ अटकलें ही रहीं। वीर पाहाड़िया जिन्होंने हाल ही में अक्षय कुमार के साथ फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया उनका नाम भी कई हसीनाओं से जुड़ चुका है। वे सारा अली खान के साथ उनके फिल्म डेब्यू से पहले डेट करने की अफवाहों में थे। इसके बाद मानुषी छिल्लर के साथ भी उनके लिंक–अप की खबरें आईं लेकिन मानुषी ने स्पष्ट किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

तुलसी कुमार का नया सिंगल मां हुआ रिलीज, जरीना वहाब की मौजूदगी ने बढ़ाई गहराई

तुलसी कुमार का नवीनतम सिंगल 'मां' मां के निःस्वार्थ और शुद्ध प्रेम को सबसे ईमानदार रूप में दर्शाता है। पायल देव द्वारा संगीतबद्ध, मनोज मुंतशिर शुक्ला द्वारा लिखे गए बोल और रंजनू वर्गीज के निर्देशन में बना यह गीत सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक बेटी और एक मां दोनों के नजरिए से भावनाओं और कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति है। तुलसी, जो स्वयं भी एक मां हैं, इस परफॉर्मेंस में एक अनोखी भावुकता और शक्ति लेकर आई हैं। वीडियो की भावनात्मक गहराई को और बढ़ाता है वह सुंदर नृत्य जिसे तुलसी ने बेहद सहजता से निभाया है। उनके हर मूवमेंट में एक मासूमियत है, मानो एक बच्चे का अपनी मां के लिए प्रेम, जो हर भाव में झलकता है। गाने के बारे में बात करते हुए तुलसी कहती हैं, यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। यह एक बहुत ही भावुक अनुभव से आया है। एक बेटी और मां दोनों के रूप में मैंने हर शब्द को महसूस किया। कोरियोग्राफी मेरे लिए एक नया अनुभव था हर शब्द को शरीर की हरकतों से व्यक्त करना था। रंजनू और कदंबरी ने जो कुछ भी रचा, वह मुझे बेहद पसंद आया। परफॉर्म करते हुए ऐसा लग रहा था जैसे मैं उन सभी भावनाओं को व्यक्त कर रही हूं, जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल था। वीडियो में दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब भी हैं, जो कुछ भावुक दृश्यों की शूटिंग के दौरान खुद भी भावुक हो गईं। 'मां' अब सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

डॉल्बी सिनेमा स्क्रीन पर रिलीज होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म बनेगी वॉर 2

यश राज फिल्म्स और डॉल्बी लैबोरेटरीज, जो इमर्सिव मनोरंजन अनुभवों में वैश्विक अग्रणी हैं, उन्होंने घोषणा की है कि वॉर 2 (हिंदी और तेलुगु) 14 अगस्त को दुनिया भर के कई देशों में डॉल्बी सिनेमा स्क्रीन पर रिलीज होने वाली इकलौती भारतीय फिल्म होगी। वॉर 2 भारत में डॉल्बी सिनेमा में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म भी बनेगी, जो भारत में सिनेमाई कहानी कहने और दर्शकों के अनुभव को एक नया मुकाम देगी। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में नॉर्थ अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत सहित दुनियाभर के कई बाजारों में डॉल्बी सिनेमा साइट्स पर रिलीज की जाएगी। 14 अगस्त को रिलीज हो रही वॉर 2 भारत में फिल्म निर्माण का एक नया युग शुरू करेगी, जिसमें डॉल्बी विजनो की अल्ट्रा–विविड रंगत और डॉल्बी ऐटमॉस की जीवंत और इमर्सिव साउंड तकनीक शामिल है, जो निर्माताओं की कल्पना को पूरी तरह जीवंत करती है और उनके कला की सीमाओं को और आगे बढ़ाती है। भारतीय दर्शक इस हाई–ऑक्टेन एक्शन स्पेक्टेकल का अनुभव वैसे कर सकेंगे जैसा फिल्मकारों ने सोचा था दृ पुणे के खाराड़ी स्थित सिटी प्राइड मल्टीप्लेक्स में इस महीने की शुरुआत में भारत का पहला डॉल्बी सिनेमा शुरू किया गया है। जल्द ही हैदराबाद, बेंगलुरु, त्रिची, कोच्चि और उळीक्कल में और डॉल्बी सिनेमा स्क्रीन खोली जाएंगी।डॉल्बी सिनेमा इस तरह डिजाइन किया गया है कि दर्शक का हर दौरा एक इवेंट जैसा लगे दृ यहाँ डायनामिक लाइटिंग, प्रीमियम सीटें, बिना रुकावट के व्यू और दीवार से दीवार तक घुमावदार स्क्रीन मिलती है जो हर पहलू को इमर्सिव और अविस्मरणीय बनाती है। वॉर 2 , यश राज फिल्म्स और डॉल्बी के दशकों पुराने सहयोग का एक नया मील का पत्थर है, जो इनोवेशन और कहानी कहने की परंपरा को और आगे ले जाता है। 2013 में धूम 3 यश राज फिल्म्स की पहली फिल्म थी जो डॉल्बी एटमॉस में रिलीज हुई थी। इससे पहले 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे डॉल्बी ऑडियो में रिलीज होने वाली शुरुआती भारतीय फिल्मों में से एक थी। 2020 में यश राज फिल्म्स भारत का पहला म्यूजिक लेबल बना जिसने डॉल्बी एटमॉस म्यूजिक में हिट गानों की एल्बम 'बेस्ट ऑफ वायआरएफ' रिलीज की। डॉल्बी लैबोरेटरीज के वाइस प्रेसिडेंट, वर्ल्डवाइड सिनेमा सेल्स एंड पार्टनर मैनेजमेंट, माइकल आर्चर ने कहा, "यश राज फिल्म्स के साथ हमारा सहयोग कई दशकों से चला आ रहा है। वॉर 2 हमारे लिए गर्व का क्षण है क्योंकि यह भारत में डॉल्बी सिनेमा पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म है। डॉल्बी सिनेमा दर्शकों को वह शक्ति महसूस कराता है जो कहानी कहने में होती है दृ डॉल्बी विजन में शानदार विजुअल्स और डॉल्बी एटमॉस की गूंजती आवाज इसे बेमिसाल बनाती है।" यश राज फिल्म्स के वाइस प्रेसिडेंट डिस्ट्रीब्यूशन, रोहन मल्होत्रा ने कहा, वाईआरएफ हमेशा दर्शकों को सर्वोत्तम सिनेमाई अनुभव देने के लिए सीमाएं पार करता रहा है। 90 के दशक में डॉल्बी ऑडियो से लेकर ब्लॉकबस्टर फिल्मों में डॉल्बी एटमॉस अपनाने तक और अब डॉल्बी सिनेमा में अगुवाई करते हुए वॉर 2 के साथ हम दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देने जा रहे हैं जहां हर दृश्य अधिक जीवंत होगा, हर आवाज अधिक गहराई वाली, और हर पल अधिक यादगार। वॉर 2 दर्शकों को केवल एक्शन दिखाएगा नहीं बल्कि उन्हें हर पल महसूस कराएगा, जैसे वे खुद उस दुनिया का हिस्सा बन गए हों।

फिल्म 'सैय्यारा' ने कमाई में पार किया 150 करोड़ का आंकड़ा, लोगों को खूब पसंद आ रही है अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी

'सैय्यारा' बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ़्ता पूरा करने के करीब है। मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म ने छह दिनों में ही 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और गुरुवार के अंत तक 170 करोड़ रुपये की कमाई की उम्मीद है – एक नवोदित फिल्म के लिए यह बेहद आश्चर्यजनक है। अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म ने बुधवार को लगभग 21 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे छह दिनों की कुल कमाई 153.35 करोड़ रुपये हो गई। फिल्म अपने दूसरे सप्ताहांत के अंत तक 200 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार करने की उम्मीद कर रही है – एक नवोदित फिल्म के लिए एक और आश्चर्यजनक उपलब्धि।

फिल्म ने टिकट खिड़की पर शानदार कमाई के बाद हाल ही में अपना पहला सप्ताहांत पूरा किया। कार्यदिवसों को देखते हुए, फिल्म ने सिनेमाघरों में दर्शकों की लगातार बढ़ती संख्या के साथ अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है।

'सैयारा' में लगभग 46.39% दर्शक आए। दर्शकों की संख्या इस प्रकार थीरू–

सुबह के शो : 29.90%
दोपहर के शो : 52.31:
शाम के शो : 56.96%
रात्रि के शो : प्रतीक्षारत

दिल्ली एनसीआर और मुंबई सबसे ज़्यादा शो और दर्शकों की संख्या के साथ चार्ट में शीर्ष पर बने हुए हैं। महानगरों के अलावा, पुणे, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे टियर 2 और टियर 3 शहरों ने भी अच्छी कमाई दर्ज की।

सैयारा का दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर, 'सैयारा' ने सूरी की 'आशिकी 2' के जीवनकाल के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। 'आशिकी 2' में श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर ने अभिनय किया था।

सोमवार को, 'सैयारा' ने दुनिया भर में 151 करोड़ की कमाई की। भारत में इसका शुद्ध संग्रह घ107.25 करोड़ था, जबकि उसी दिन इसका विदेशी संग्रह 23 करोड़ था।

दूसरी ओर, चौथे दिन इसका भारत में सकल संग्रह 128 करोड़ था।

अहान पांडे की यह फिल्म वर्तमान में 2025 में 150 करोड़ का आंकड़ा छूने वाली पाँचवीं हिंदी फिल्म है। हालाँकि, इस साल की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म का कारोबार अभी भी सैयारा की पहुँच से दूर है।

अब तक, सैयारा ने इस साल की शुरुआत में रिलीज़ हुई अक्षय कुमार की केसरी चौप्टर 2 (घ144 करोड़) के जीवनकाल के कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है।

1 अगस्त को 'सन ऑफ़ सरदार' और 'धड़क 2' के सिनेमाघरों में आने से पहले, फिल्म को टिकट खिड़की पर सुचारु रूप से चलने के लिए दो हफ़्ते का अच्छा समय मिला है। 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, फिल्म का लक्ष्य 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना और नए चेहरों वाली किसी भी हिंदी फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन दर्ज करना होगा।

'सैयारा' ने ख़ास तौर पर युवा पीढ़ी को प्रभावित किया है। ऑनलाइन अपनी मज़बूत छाप के साथ, यह फिल्म लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा बन गई है। यह फिल्म एक उभरते गायक, कृष कपूर (पांडे) और एक कवि–गीतकार, वाणी बत्रा (पड्डा) के बारे में है। इसका निर्माण यशराज फिल्म्स (ल्थ) ने किया है।

माथे पर बिंदी और आंखों में शेड्स...साड़ी में खूबसूरत दिखीं कंगना, देसी लुक से ज्यादा चर्चा में है उनका लग्जरी बैग

कंगना रनौत एक्ट्रेस होने के साथ–साथ राजनेता भी हैं। कंगना 2024 में मंडी लोकसभा सीट से सांसद चुनी गई हैं। वहीं कंगना जबसे राजनीति में आई हैं तब से सिंपल साड़ी में नजर आती हैं। उनके साड़ी लुक खूब वायरल होते रहते हैं लेकिन इस बार उनका बैग खूब सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में कंगना की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं। इन तस्वीरों में कंगना का देसी लुक देखने को मिल रहा है। एक शानदार और स्पोर्टी कैनवास–लेदर हाइब्रिड डिजाइन का है। कंगना के इस बैग की कीमत 3.25 लाख के करीब है। कुछ लिमिटेड एडिशन मॉडल्स में यह कीमत 4दृ5 लाख तक भी पहुंच जाती है। कंगना का इतना महंगा बैग देखकर हर कोई चौंक रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना रनौत आखिरी बार फिल्म इमरजेंसी में नजर आईं थीं। फिल्म को कंगना ने ही डायरेक्ट किया था। इसके बाद से कंगना ने अपने किसी प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट नहीं की।

रिसेप्शनिस्ट के साथ मारपीट के मामले पर आग बबूला हुई जाह्नवी कपूर, कहा–ऐसे आदमी को तो जेल में होना चाहिए

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो अत्याचार के मामलों पर अक्सर खुलकर बोलती नजर आती हैं। अब हाल ही में जाह्नवी ने उस वीडियो पर रिएक्ट किया, जिसमें एक शख्स हॉस्पिटल में महिला रिसेप्शनिस्ट के साथ मारपीट करता और बुरी तरह बालों से घसीटते हुए नजर आ रहा है। इस मामले में जाह्नवी ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनका पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दरअसल, ये मामला 22 जुलाई का है, जब महाराष्ट्र के ठाणे के कल्याण इलाके में मौजूद एक डॉ. क्लीनिक में काम करने वाली महिला रिसेप्शनिस्ट के साथ ये बदसलूकी हुई। किसी बहस के कारण आरोपी का गुस्सा बढ़ गया और उसने लात घूंसों से रिसेप्शनिस्ट पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, वो उसके बाल खींचकर घसीटता हुआ भी नजर आया। जाह्नवी ने अब इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी में शेयर कर लिखा– ऐसे आदमी को तो जेल में होना चाहिए। ये दर्शाता है कि आपकी परवरिश किस तरह से हुई है। शर्म आनी चाहिए और हमें खुद शर्म आती है कि इस तरह की घटनाएं हो रही हैं और आरोपियों को कोई सख्त सजा नहीं मिलती है। उसे क्या लगता है कि वह किसी पर हाथ उठा सकता है। जुर्म करने वाले अपराधियों की मानसिकता का पता इससे ही लगता है। वहीं,पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर छानबीन शुरू कर दी है, जबकि पीड़ित महिला का इलाज चल रहा है। काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर को आखिरी बार जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा में देखा गया था। इसके बाद अब वह जल्द ही सिद्धार्थ मल्होत्रा संग फिल्म परम सुंदरी में नजर आएंगी।

बच्चे ही नहीं बड़े भी करेला खाने से करते हैं इंकार तो अपनाएं ये सिंपल टिप्स, चाव से खाएंगे लोग

वैसे तो करेला हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन करेले का नाम सुनकर ही लोग नाक–भौंह सिकोड़ने लगते हैं। हालांकि इसके पीछे एक वाजिब वजह भी है। क्योंकि करेला अपने कड़वाहट के कारण कई लोगों को नापसंद होता है। ऐसे में बच्चे का बड़े भी करेला खाना पसंद नहीं करते हैं। जबकि करेला कई बीमारियों जैसे डायबिटीज और खून साफ करने आदि में लाभकारी माना जाता है। ऐसे में अगर आप भी करेले की कड़वेपन के कारण इससे दूरी बनाकर चलते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के हम आपको करेले के कड़वेपन को दूर करने के कुछ आसान टिप्स बताने जा रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो कर आप भी करेले को बनाते समय इसके कड़वेपन को दूर कर सकती हैं। बल्कि इसके कड़वेपन को दूर करके आप पौष्टिकता से भरपूर करेले की सब्जी का आसानी से लुत्फ उठा सकते हैं।

करेले की कड़वाहट दूर करने के उपाय

नमक का इस्तेमाल

करेला औषधीय गुणों से भरपूर होता है। लेकिन इसके कड़वेपन के कारण लोग इस सब्जी से दूरी बनाकर रखते हैं। ऐसे में अगर आप भी करेले की कड़वाहट को दूर करना चाहती हैं, तो इस सब्जी को काटकर रातभर के लिए इसमें नमक लगाकर रखें। फिर अगले दिन इनको बनाने से पहले अच्छे से धो लें और फिर इसकी सब्जी बनाएं। इस उपाय से करेले की कड़वाहन काफी हद तक दूर हो जाएगी।

दही का इस्तेमाल

दही भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है। बता दें कि दही में मौजूद तत्व करेले की कड़वाहट को दूर करने में सहायक होता है। इसकी कड़वाहट को दूर करने के लिए आप करेले को बनाने से पहले इसको छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इनको कम से कम एक घंटे के लिए दही में भिगोकर रखें। ऐसा करने से करेले की कड़वाहट दूर हो जाएगी।

करेले का छिलका

करेले की कड़वाहट उसके ऊपरी छिलके में होता है। करेले की कड़वाहट को दूर करने के लिए इसके ऊपर के छिलके को उतार दें। इस दौरान ध्यान रखें कि छिलका फेंके नहीं, क्योंकि इसके छिलकों में पोषक तत्व पाए जाते हैं। छिलकों में नमक लगाकर कुछ देर के लिए इन्हें धूप में सुखा दें। फिर इन करेले में मसाले भरकर भरवां बनाकर फ्राई कर लें। इससे न सिर्फ करेले का कड़वापन दूर हो जाएगा और यह स्वादिष्ट भी बनेगा।

मानसून में इस तरह करें कीटाणु मुक्तफलों और भोजन की पहचान!

मानसून के दौरान कीटाणु मुक्त फलों और भोजन की पहचान करना स्वास्थ्य बनाए रखने और भोजन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस मौसम में नमी के स्तर बढ़ जाते हैं, जिससे फलों और सब्जियों जैसी स्थायी वस्तुओं पर कीटाणुओं के विकास के लिए आदर्श स्थितियाँ बनती हैं। यहाँ हम आपको सरल उपाय बताएंगे जिससे आप सुरक्षित और कीटाणु मुक्त खाद्य पदार्थों को आसानी से पहचान सकें। इन निर्देशों का पालन करके आप मानसून के दौरान पौष्टिक और सुरक्षित भोजन का आनंद ले सकते हैं।"

स्वच्छता और स्थिरता

कीटाणु मुक्त फल और भोजन की पहचान करने का पहला कदम यह है कि वे स्वच्छ और स्थिर हों। यानी कि वे दिखने में सुदृढ़ और बिना किसी अनियमितता या दाग–ध्ब्बे के हों।

स्वाद और गंध

स्वाद और गंध एक अच्छे फल या भोजन की पहचान में मदद कर सकते हैं। अच्छे फल और सब्जियां गंधमय और स्वादिष्ट होती हैं। यदि कोई अजीब या अप्रिय गंध है तो वे नष्ट हो सकते हैं।

छिलका और रंग

फलों और सब्जियों का रंग और छिलका भी उनकी पहचान में महत्वपूर्ण हैं। स्वस्थ फलों और सब्जियों की छिलका साफ, नमीली और बिना किसी गहरी धब्बे के होती है। अच्छे रंग की फलों और सब्जियों की छिलका भी उनकी स्थिरता को दर्शाती है।

सूजन और कमी

कई फल और सब्जियां अपनी अच्छी स्थिति में सूजन और कमी के बिना होती हैं। यदि आपके खरीदे फल या सब्जी में सूजन है या वे खूबसूरती में कमी दिखाते हैं, तो वे अनापेक्षित गिर सकते हैं।

खोजें उपयुक्त लेबलिंग

अधिकतर सुपरमार्केट्स और भोजन बिक्रेताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली लेबलिंग भी एक साधन हो सकती है जिससे आप उस फल या भोजन को पहचान सकते हैं जो कीटाणु मुक्त होता है।

बचाव के लिए पैकेजिंग पर ध्यान दें

यदि आप बाजार से पैकेज फल या भोजन खरीद रहे हैं, तो पैकेजिंग पर ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि पैकेज अच्छी तरह से बंद है और किसी भी फंगल या अन्य प्रकार के विकृतियों के लक्षण नहीं हैं।

स्थिति की जांच करें

फलों और सब्जियों की स्थिति भी उनकी गुणवत्ता को दर्शाती है। अच्छे फल और सब्जियां स्थिरता में होती हैं और कोई धब्बे, फेफड़ों या सूजन के लक्षण नहीं होते हैं। इसलिए, जब भी संभव हो, खरीदारी करने से पहले उनकी स्थिति की जांच करें।

इस वजह से होता है मानसून में बार-बार बुखार, जानें कब दिखाएं डॉक्टर को

बरसात के मौसम में बुखार होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं। ये मौसम ठंडा और नमी से भरा होता है, जिससे वायरल इंफेक्शनों का प्रसार अधिक होता है। वायरल इंफेक्शन जैसे कि जुकाम, सर्दी और फ्लू, बरसाती मौसम में बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, गीली और ठंडी हवा बच्चों को ज्यादा संक्रमित करने की संभावना बढ़ाती है। बरसाती मौसम में बच्चों को ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होती है, और अगर उन्हें बुखार हो, तो उन्हें जल्दी से डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

बरसात के मौसम में बुखार होने की कुछ मुख्य वजहें शामिल हो सकती हैं, जिन्हें डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो सकता है।

वायरल इंफेक्शन

बरसात के मौसम में वायरल इंफेक्शनें बहुत होते हैं, जैसे की व्यू फीवर, डेंगू, चिकनगुनिया आदि। इन इंफेक्शनों के कारण अचानक बुखार हो सकता है और इसके लक्षण हो सकते हैं जैसे कि बुखार, सिरदर्द, थकान, जोड़ों में दर्द आदि।

बैक्टीरियल इंफेक्शन

बरसात के मौसम में कुछ बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकते हैं, जैसे कि टाइफाइड, बैक्टीरियल न्येमोनिया आदि। इन इंफेक्शनों के लिए अक्सर बुखार, साथ ही साथ सांस की समस्याएं और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।

पानी में भीगना

बरसात के मौसम में भीगना, गंदे पानी में खेलना या गंदी जगहों में रहना संक्रमण के कारक बन सकता है, जिससे इंफेक्शन हो सकता है और बुखार उत्पन्न हो सकता है।

एलर्जी

कुछ लोगों को बरसात के मौसम में एलर्जी होती है, जैसे कि भीगे भीगे पौधे, कीटाणुओं से उत्पन्न होने वाली एलर्जी, जिससे बुखार उत्पन्न हो सकता है।

ठंडी और नमी

बरसाती मौसम में ठंडी और नमी से भी कुछ लोगों को बुखार हो सकता है, खासकर जिन्हें सांस की समस्याएं हों या जो संक्रमण पर संवेदनशील हों।

इन सभी कारणों से, बरसात के मौसम में अगर बुखार होता है तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो सकता है। डॉक्टर आपके लक्षणों का मूल्यांकन करेंगे और उचित उपचार सुझाएंगे। विशेषकर यदि बुखार के साथ अन्य लक्षण भी हैं जैसे कि सांस की समस्या, थकावट, अत्यधिक चिंता आदि।

चिलचिलाती गर्मी में एमपी के इन पांच हिल स्टेशनों को करें एक्सप्लोर, खूबसूरती देख आ जाएगी मजा

इस चिलचिलाती गमी में हर कोई किसी ठंडी जगह पर जाना चाहता है। इन दिनों लोग हिल स्टेशन जाते हैं। हिल स्टेशन का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले उत्तराखंड, मसूरी और हिमाचल का नाम आता है। लेकिन हर बार इन्हीं जगहों पर जाने से बोरियत होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी इन हिल स्टेशनों पर नहीं जाना चाहते हैं, तो आप मध्य प्रदेश के हिल स्टेशनों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मध्यप्रदेश अपने ऐतिहासिक चमत्कारों और वाइल्ड संेचुरी के लिए काफी ज्यादा फेमस है। लेकिन यहां पर खूबसूरत हिल स्टेशन भी हैं। हरियाली के बीच मौजूद ये हिल स्टेशन न सिर्फ गर्मियों से राहत देते हैं, बल्कि यह आपको रोमांचित करने का काम भी करते हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मध्य प्रदेश के 5 हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पंचमढ़ी

मध्य प्रदेश के सबसे खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशनों की लिस्ट में शामिल पंचमढ़ी को सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा रेंज के भीतर बसा यह शहर हरे–भरे जंगलों, झरने और प्राचीन गुफाओं से भरा है। अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो आप यहां पर ट्रेकिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। यहां पर ऊंचाई से काफी शानदार नजारा देखने को मिलता है। बता दें कि यहां पर जटाशंकर और बी–फॉल्स को एक्सप्लोर करना न भूलें। हरे–भरे जंगलों में ऊंचाई से गिरते पानी की आवाज भी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

तामिया

प्रकृति की गोद में बसा तामिया एमपी का छिपा हुआ रत्न है। यह जगह उन लोगों के लिए जन्नत से कम नहीं है, जो एडवेंचर और नेचर से प्यार करते हैं। तामिया 1,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह हिल स्टेशन शहरी जीवन से दूर शांति और सुकून देता है। यहां पर चट्टानों के किनारे ब्रिटिश काल के जमाने के घर बने हैं। यहां पर आप सतपुड़ा रेंज के घने जंगलों के बीच ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ ही यहां पर तामिया वॉटरफॉल जरूर देखें।

चंदेरी

मध्य प्रदेश का चंदेरी शहर अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। 656 मीटर की ऊंची पहाड़ी पर बसा चंदेरी विरासत और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा मिश्रण है। इसके अलावा यह शहर चंदेरी के सूट और साड़ियों के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। चंदेरी में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और वरुण धवन की फिल्म्म सुई धागा की शूटिंग हुई थी। आप यहां पर चंदेरी का किला एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर महलों से घिरी घुमावदार गलियों और प्राचीन स्मारकों को देख सकते हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश की ऑफबीट डेस्टिनेशन में शामिल मांडू में हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। मांडू विंध्य पर्वत श्रृंखला पर बसा है और यह छठी शताब्दी के वास्तुशिल्प से सजा है। मांडू का किला बीते युग की कहानियां बयां करता है। वहीं समुद्र के बीच राजसी जहाज महल तैरता हुआ लगता है और रूपमती का मंडप नर्मदा घाटी का बेहद शानदार दृश्य पेश करता है। आपको यहां पर सनसेट का नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

अमरकंटक

मैकाल पहाड़ियों की हरी–भरी हरियाली के बीच अमरकंटक हिल स्टेशन भी काफी शानदार है। इसे एमपी का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल भी माना जाता है। माना जाता है कि यह पवित्र नदियों नर्मदा, सोन और जोहिला का सोर्स है। इसके कारण इस जगह का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। इसके अलावा आप यहां पर प्राचीन कपिलधारा झरना और नर्मदा मंदिर देख सकते हैं। अगर आप सेल्फ डिस्कवरी के शौकीन हैं, तो आपको यह जगह निराश नहीं करेगी।

संक्षिप्त

तिल की खेती को प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार, बीज पर 95 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी

छोटे और सीमांत किसानों को सहयोग करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह तिल की खेती करने वाले किसानों को बीज पर 95 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी की पेशकश कर रही है। सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि खरीफ में प्रदेश में लगभग पांच लाख हेक्टेयर में तिल की खेती की जाती है। कृषि विभाग तिल के बीजों पर 95 रुपये प्रति किग्रा की दर से सब्सिडी उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर तिल की खेती के लिए कृषि विभाग किसानों को वैज्ञानिक विधि भी सिखा रहा है। तिल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 9,846 रुपये प्रति क्विंटल है। बयान के मुताबिक, तिल की प्रमुख प्रजातियां आरटी–346 और आरटी–351, गुजरात तिल–6, आरटी–372, एमटी–2013–3 और बीयूएटी तिल–1 हैं। कृषि विभाग इनके बीजों पर 95 रुपये प्रति किग्रा की दर पर सब्सिडी उपलब्ध करा रहा है। कृषि विभाग का मानना है कि वर्तमान में किसानों के पास कृषि जोत के रूप में बहुत सी ऐसी भूमि बुवाई से खाली पड़ी रहती है, जिसका उपयोग सूक्ष्म सिंचाई साधनों का प्रयोग कर तिल की खेती के रूप में किया जा सकता है। इससे किसान अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं। बयान में कहा गया है कि परंपरागत विधि से तिल की खेती करने पर चार से छह क्विंटल प्रति हेक्टेयर, जबकि वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर लगभग आठ से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है। वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर किसानों को कम लागत में लगभग एक लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तक आय प्राप्त हो सकती है।

अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने वालों की संख्या में लगातार छठे सप्ताह गिरावट

बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने वाले अमेरिकियों की संख्या लगातार छठे सप्ताह गिरकर अप्रैल के मध्य के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गई है। श्रम विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया कि 19 जुलाई को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी के दावों में 4,000 की गिरावट आई और यह आंकड़ा 2,17,000 रह गया। हालांकि, विश्लेषकों ने 2,27,000 नए आवेदनों की संभावना जताई थी। बेरोज़गारी भत्ते के लिए आवेदनों से छंटनी का पता लगाया जाता है। साप्ताहिक उतार–चढ़ाव को संतुलित करने वाला दावों का चार–सप्ताह का औसत 5,000 घटकर 2,24,500 रह गया। 12 जुलाई के सप्ताह में बेरोजगारी लाभ प्राप्त करने वाले अमेरिकियों की कुल संख्या स्थिर रही। यह मात्र 4,000 बढ़कर 19.6 लाख हो गई।

चांदी वायदा भाव 117 रुपये बढ़कर 1,15,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर

प्रतिभागियों द्वारा अपने सौदे बढ़ाने से शुक्रवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 117 रुपये बढ़कर 1,15,250 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सितंबर डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 117 रुपये या 0.1 प्रतिशत बढ़कर 1,15,250 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 19,844 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा ताजा सौदे करने से चांदी की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 39.09 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

वीएमएस टीएमटी को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिली

वीएमएस टीएमटी लिमिटेड को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। इस आईपीओ में 1.5 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी 'थर्मो मैकेनिकली ट्रीटेड बार' बनाती है। वीएमएस टीएमटी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी का इरादा शुद्ध आय में से 115 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने और शेष राशि को सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए आवंटित करने का है। गुजरात स्थित कंपनी के शेयर को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी ने पिछले साल सितंबर में इसी आकार के आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन बाद में 23 अक्टूबर को उसने दस्तावेज वापस ले लिए थे। कंपनी ने 27 मार्च 2025 को सेबी के समक्ष एक बार फिर दस्तावेज दाखिल किए। वीएमएस टीएमटी में प्रवर्तकों की 96.28 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष 3.72 प्रतिशत शेयर सार्वजनिक शेयरधारकों के पास हैं जिनमें चाणक्य ऑपर्च्युनिटीज फंड I और कामधेनु शामिल हैं।

अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया 12 पैसे टूटकर 86.52 पर बंद

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे टूटकर 86.52 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया 86.59 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 86.63 के निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रुपये ने 86.47 के ऊपरी स्तर को छुआ और अंत में 86.52 (अस्थायी) पर बंद हुआ। यह पिछले बंद स्तर से 12 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे बढ़कर 86.40 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और घरेलू बाजारों में कमजोर रुख के कारण रुपया टूटा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए एक अगस्त की समय सीमा नजदीक आने से अनिश्चितता बढ़ी है। उन्होंने अनुमान जताया कि रुपया थोड़े नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर सकता है। चौधरी ने कहा, अगले हफ्ते अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ जापान की मौद्रिक नीति के फैसलों से पहले निवेशक सतर्क रह सकते हैं।

41 साल के डिविलियर्स का तूफान, 41 गेंद पर जड़ा शतक, दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 10 विकेट से रौंदा

लीसेस्टर। विश्व चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। लीग के आठवें मुकाबले में शानदार फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीकी चौंपियंस टीम ने इंग्लैंड चौंपियंस को 10 विकेट से रौंद दिया। दक्षिण अफ्रीका की जीत में मुख्य भूमिका टीम के कप्तान एबी डिविलियर्स ने निभाई। उन्होंने 41 गेंद पर शतक जड़ा। उन्होंने हाशिम अमला के साथ मिलकर अपनी टीम को बिना किसी विकेट के नुकसान के 153 रन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद की। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 152 रन बनाए थे।

अंक तालिका का हाल

डिविलियर्स को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम विश्व चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड की अंक तालिका में छह टीमों में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसके तीन मैचों में तीन जीत के साथ छह अंक हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन अंक लेकर दूसरे और पाकिस्तान तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। भारत के पास एक अंक है और टीम तालिका में सबसे नीचे छठे स्थान पर है।

इंग्लैंड की पारी

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डिविलियर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। रवि बोपारा सात रन, मोईन अली 10 रन और इयान बेल सात रन बनाकर आउट हुए। फिल मस्टर्ड ने 33 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन की पारी खेली। वहीं, समित पटेल ने 16 गेंद में तीन चौके की मदद से 24 रन और कप्तान इयोन मॉर्गन ने 14 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाए। टिम एम्ब्रोस 16 गेंद में 19 रन और लियाम प्लंकेट 15 गेंद में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इमरान ताहिर और वेन पार्नेल ने दो–दो विकेट लिए। वहीं,

डेन ओलिवियर और क्रिस मॉरिस को एक–एक विकेट मिला।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम कभी मुश्किल में दिखी ही नहीं। डिविलियर्स ने दूसरे छोर से आतिशी बल्लेबाजी की, जबकि अमला संभल कर खेलते रहे। डिविलियर्स 51 गेंद में 15 चौके और सात छक्कों की मदद से 116 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 227.45 का रहा। 41 साल की उम्र में डिविलियर्स छा रहे हैं। पिछले मैच में भारत के खिलाफ भी उन्होंने तूफानी अर्धशतक जड़ा था। वहीं, हाशिम अमला 25 गेंद में चार चौकों की मदद से 29 रन बनाकर नाबाद रहे।

डिविलियर्स शीर्ष पर काबिज

डिविलियर्स अब तक इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह तीन मैचों में 182 की औसत से 182 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट 214.12 का रहा। इस दौरान उन्होंने 18 चौके और 11 छक्के लगाए हैं। उनके बाद वेस्टइंडीज चौंपियंस के चौडविक वॉल्टन हैं। उन्होंने तीन मैचों में 110 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के फिल मस्टर्ड हैं। उन्होंने तीन मैचों में 101 रन बनाए हैं। भारत का कोई खिलाड़ी शीर्ष 10 में नहीं है।

क्रिकेट अंधकार युग में, वॉन ने टेस्ट क्रिकेट में आपात स्थिति में मेडिकल सब्स्टिट्यूट की मांग की

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत की इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में टूटे पैर के बावजूद खेली गई अर्धशतकीय पारी उनके जज्बे का शानदार नमूना थी, लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि मेडिकल सब्स्टिट्यूट की अनुमति देने के मामले में क्रिकेट अंधकार युग में है।

पंत ने टूटी अंगुली के बावजूद बल्लेबाजी की

पंत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार को दाहिने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर होने के बावजूद 37 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और अर्धशतक पूरा किया। चोट के बाद पंत ने 28 गेंद का सामना किया और 17 रन बनाए। उन्होंने 75 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 54 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्हें चोट के बावजूद सिंगल के लिए भागना पड़ा।

वॉन ने मेडिकल सब्स्टिट्यूट की मांग की

वॉन ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, श्मैं कई वर्षों से महसूस करता रहा हूं कि टेस्ट क्रिकेट में स्पष्ट चोटों के मामले में सब्स्टिट्यूट मुहैया कराए जाने चाहिए, जैसा कि हमने ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में ऋषभ पंत के मामले में देखा। दूसरे दिन सुबह पंत को टूटे पैर के साथ बल्लेबाज़ी करते देखना वाकई शानदार अनुभव था। यह अविश्वसनीय साहस था और 28 गेंदों में 17 रन बनाना अद्भुत कौशल था, लेकिन वह बल्लेबाजी के लिए फिट नहीं थे, दौड़ नहीं सकते थे और इससे उनकी चोट और भी गंभीर हो सकती थी।

क्रिकेट अब भी अंधकार युग में जी रहा

वॉन ने कहा, श्सोचने वाली बात यह है कि उन्हें (पंत को) विकेटकीपर के रूप में सब्स्टिट्यूट की अनुमति दी गई, लेकिन बल्लेबाजी या गेंदबाजी की अनुमति नहीं दी गई। यह सब थोड़ा अजीब और असंगत है। हमारा खेल एकमात्र ऐसा टीम खेल है जिसमें ऐसा होता है और मुझे लगता है कि इससे यह पता चलता है कि क्रिकेट अब भी अंधकार युग में जी रहा है।

जानबूझकर खेल का प्रभाव कम किया जा रहा

उनका मानना है कि पुराने नियमों पर अड़े रहने स जानबूझकर खेल का प्रभाव कम किया जा रहा है क्योंकि एक टीम को इसके कारण मैच के चार दिनों तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ रहा है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, श्यदि किसी खिलाड़ी को नई चोट लगती है, जैसे हड्डी टूटना या मांसपेशियों में इतना अधिक खिंचाव कि वह खेल में आगे भाग नहीं ले सकता।

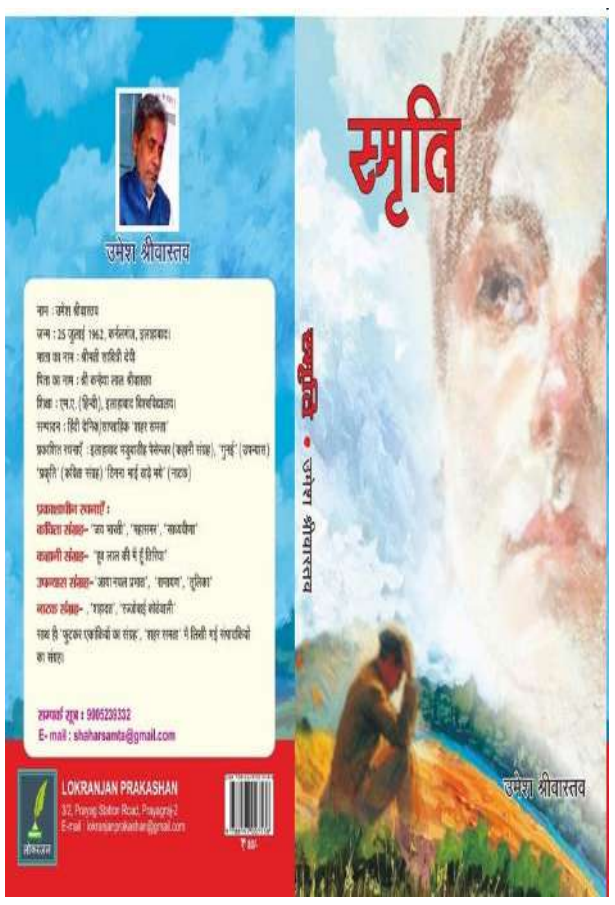

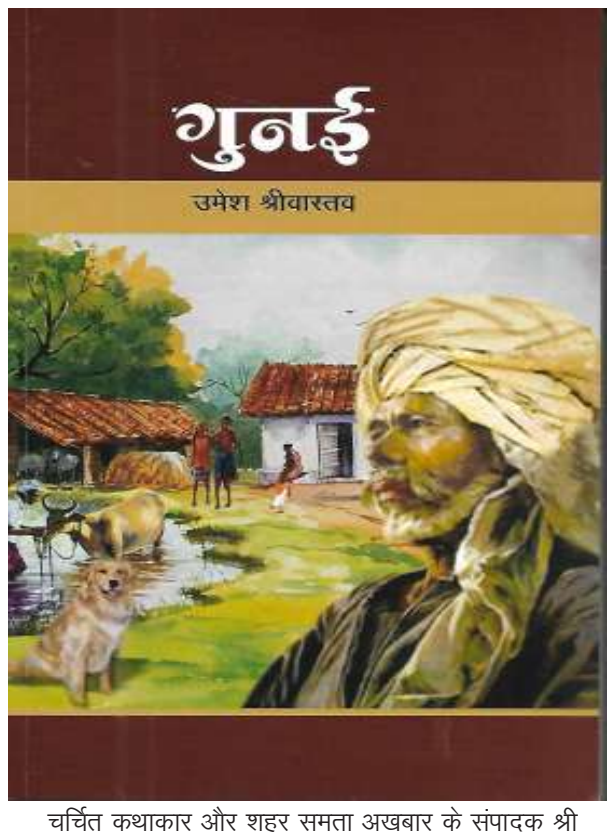

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

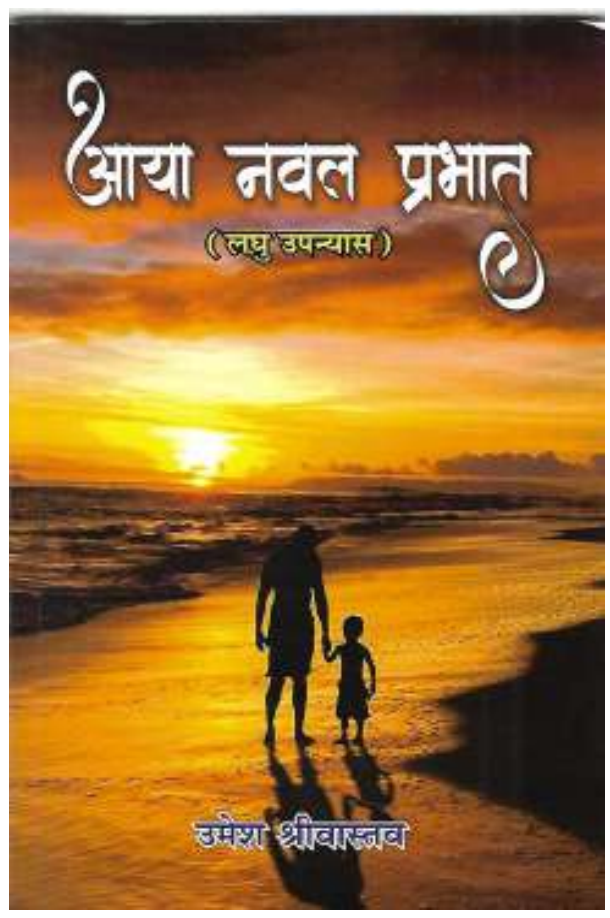

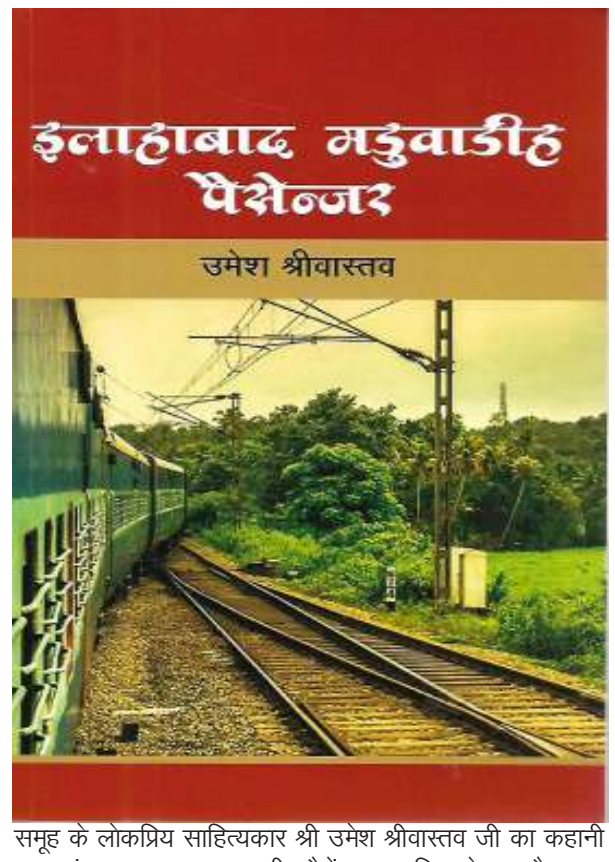

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

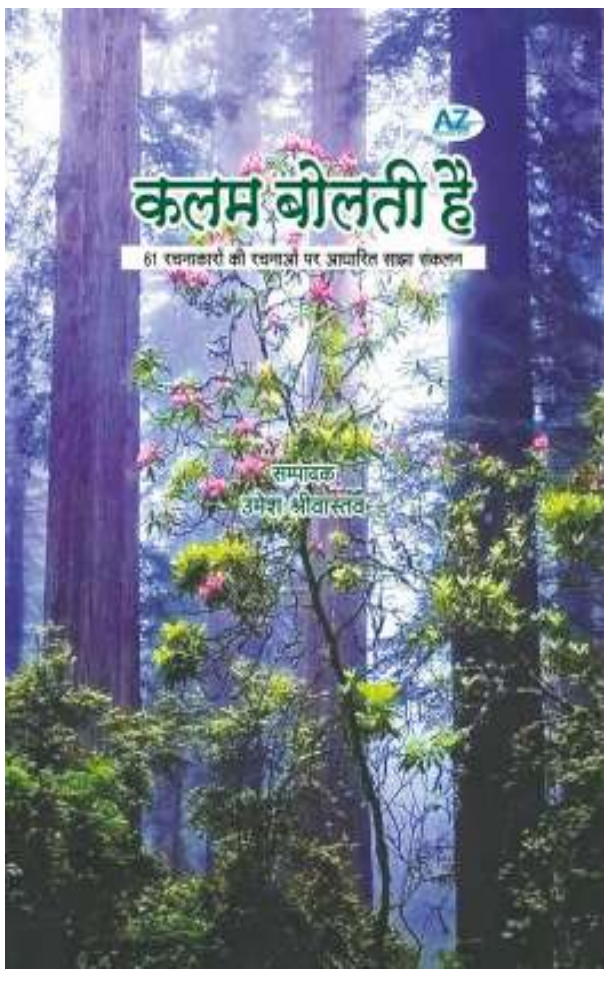

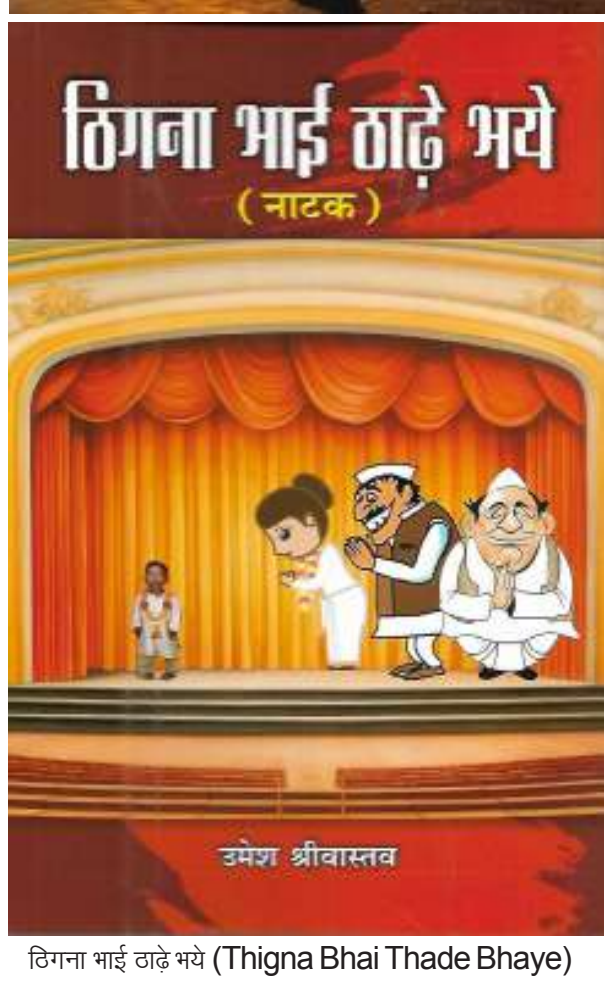

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान के इतिहास में सबसे कठोर कारावास की सजा काट रहा हूं : इमरान खान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह देश के इतिहास में "सबसे कठोर कारावास की सजा" काट रहे हैं। कई मामलों में दोषी करार दिए जा चुके इमरान (72) अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के सत्यापित 'एक्स' हैंडल से जारी एक पोस्ट में उनके हवाले से कहा गया है, "मैं केवल संविधान की सर्वोच्चता और अपने देश की सेवा के लिए देश के इतिहास में सबसे कठोर कारावास की सजा काट रहा हूं।" उन्होंने आरोप लगाया, "उत्पीड़न और तानाशाही का स्तर इतना ज्यादा है कि मेरे पास नहाने के लिए जो पानी है, वह भी गंदा और दूषित है, जो किसी भी इंसान के लिए इस्तेमाल के लायक नहीं है।" पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के संस्थापक इमरान ने दावा किया कि उनके परिवार की ओर से भेजी गई किताबें महीनों से रोककर रखी गई हैं और टेलीविजन तथा अखबार तक उनकी पहुंच भी समाप्त कर दी गई है। उन्होंने कहा, "मैं वही पुरानी किताबें बार–बार पढ़कर अपना समय काट रहा था, लेकिन अब उन तक पहुंच भी बाधित कर दी गई है।" इमरान ने दावा किया कि पाकिस्तान के इतिहास में किसी भी नेता को इस तरह के व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ा, जैसा कि वह वर्तमान में अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने अपने साथ किए जा रहे कथित व्यवहार की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से की, जिन्हें भ्रष्टाचार के कई मामलों में संलिप्त होने के बावजूद कारावास के दौरान "हर संभव सुविधा प्रदान की गई थी।" इमरान ने कहा कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी, जो "निर्दोष" हैं और राजनीति का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें भी जेल में "अमानवीय परिस्थितियों" का सामना करना पड़ रहा है। इमरान ने आरोप लगाया कि उनके सभी बुनियादी मानवाधिकारों का हनन किया गया है और यहां तक कि उन्हें कानून एवं जेल नियमावली के तहत सामान्य कैदियों को मिलने वाली न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं।

समोआ के पास दक्षिण प्रशांत में 6.6 तीव्रता का भूकंप, पूरे देश में महसूस किए गए झटके

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश समोआ के पास 6.6 तीव्रता का भीषण भूकंप आया। हालाँकि, किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार देर सुबह राजधानी अपिया से 440 किलोमीटर (273 मील) दक्षिण–पश्चिम में 314 किलोमीटर (195 मील) की गहराई पर आया। समोआ ऑब्ज़र्वर समाचार वेबसाइट के एक कर्मचारी ने बताया कि उन्होंने भूकंप महसूस नहीं किया और उन्हें किसी भी तरह के नुकसान या क्षति की सूचना नहीं है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की। यह ध्यान देने योग्य है कि समोआ अग्नि वलय पर स्थित है, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंपीय भ्रंशों का एक चाप है जहाँ भूकंप और ज्वालामुखी अक्सर आते रहते हैं। 2009 में समोआ और अमेरिकी समोआ (जो एक अमेरिकी क्षेत्र है) के बीच दो बड़े भूकंप आए। इन भूकंपों से सुनामी लहरें उठीं जिनसे समोआ, अमेरिकी समोआ और टोंगा में कम से कम 192 लोग मारे गए।

जब चायवाले के पास ब्रिटिश पीएम स्टार्मर को लेकर पहुंच गए मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन में ऐसा खेल कर दिया है जिसने अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है। पीएम मोदी अचानक चाय पीने पहुंच गए और एक बहुत बड़ा दांव खेल दिया। अमेरिका का गुरुर और अहंकार तोड़ पीएम मोदी ब्रिटेन के पीएम संग चाय के मजे लेते नजर आए। पीएम मोदी का चाय पर चर्चा वाला वीडियो ब्रिटेन से सामने आया है। धमकी देकर अमेरिका जो चीज भारत से लेना चाहता था वो चीज पीएम मोदी ब्रिटेन को दो आए हैं। दरअसल, अमेरिका अपनी शर्तों पर भारत के साथ एक बड़ी व्यापारिक डील करना चाहता है। अमेरिका लगातार डील साइन करने के लिए दबाव बना रहा है।

अमेरिकी प्रतिबंध व यूरोप की चेतावनी बेअसर, सबको चकमा देकर चीन से रूस पहुंच रहे हैं ड्रोन इंजन

पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस की रक्षा निर्माण क्षमताएं कमज़ोर नहीं पड़ी हैं क्योंकि उसे मित्र देशों से लगातार सहायता मिल रही है। हम आपको बता दें कि एक रिपोर्ट में सामने आया है कि चीन द्वारा बनाए गए इंजन छद्म कंपनियों के माध्यम से ''औद्योगिक शीतलन इकाइयों'' के रूप में रूस भेजे जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों से बच निकलना है। हम आपको बता दें कि रूसी हथियार निर्माता प्र्ड ज्ञनचवस ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने ळंतचपलं–।1 ड्रोन का उत्पादन तीन गुना कर दिया है। 2024 में जहां 2,000 ड्रोन तैयार किए गए थे, वहीं 2025 में यह संख्या 6,000 तक पहुँचने की योजना है। हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के मुताबिक अप्रैल 2025 तक रूस 1,500 से अधिक ड्रोन यूक्रेन में भेज कर नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले करवा चुका है। हालांकि चीन ने आधिकारिक रूप से यह स्वीकार नहीं किया है कि उसने रूस को हथियार या ड्रोन तकनीक दी है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक चीनी कंपनी Beijing Xichao International Technology and Trade ने प्रतिबंधित इंजनों की आपूर्ति रूसी कंपनी ज्ञनचवस को की। इन इंजनों को ''शीतलक इकाइयों'' के रूप में बताया गया ताकि चीन के भीतर यह आपूर्ति नियमों की दृष्टि से गलत नहीं लगे। रिपोर्ट के अनुसार, इन इंजनों को पहले रूसी छद्म कंपनी SMP-138 और फिर स्प्ठै के माध्यम से ज्ञनचवस तक पहुँचाया गया। यह पूरा तंत्र चीन की सरकारी एयरलाइनों Sichuan Airlines और China Southern Airlines के माध्यम से संचालित हुआ, जो यह दर्शाता है कि चीन की राज्य–नियंत्रित संस्थाएं भी इस प्रक्रिया में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। हम आपको बता दें कि हाल ही में यूरोपीय संघ और अमेरिका ने रूस के रक्षा उद्योग को कमजोर करने के लिए कई प्रतिबंध लगाए थे, जिनमें चीनी

कंपनियां जैसे Xiamen Limbach Aviation Engine Co. भी शामिल हैं। इसके बावजूद, ज्ञनचवस ने ग्पबींव जैसी नई कंपनियों के जरिए ड्रोन निर्माण के लिए आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली। इस खुलासे के बाद यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि काजा कालास ने चीन से अपील की है कि वह रूस को सैन्य सहायता देने वाले व्यापार को रोके। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयेन भी इसी पृष्ठभूमि में चीन की यात्रा पर जा रही हैं। देखा जाये तो इस घटनाक्रम के कई गहरे भूराजनीतिक संदेश हैं। जैसे– चीन–रूस गठजोड़ एक बार फिर वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती दे रहा है। साथ ही यूरोप की सुरक्षा सीधे तौर पर इस छद्म सहयोग से प्रभावित हो रही है। साथ ही चीन की दोहरी नीति और रूस–चीन सहयोग भविष्य में भारत की सामरिक स्थिति पर भी असर डाल सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चीन द्वारा रूस को दोहरे उपयोग (कनंस–नेम) वाली तकनीक की गुप्त आपूर्ति केवल व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि रणनीतिक सैन्य सहयोग भी है। यह रणनीति चीन की श्ग्रे ज़ोन वॉरफेयरश नीति का हिस्सा प्रतीत होती है, जिसमें वह सीधे टकराव से बचते हुए अप्रत्यक्ष सहायता से अपने रणनीतिक सहयोगी को मजबूत करता है। हम आपको यह भी बता दें कि यूक्रेन युद्ध के चलते लगे पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस की हथियार उत्पादन क्षमता को बाधित करने का प्रयास अवश्य किया है, लेकिन वास्तविकता शुरू से ही उलट दिखाई दे रही है। रूस न केवल अपनी सैन्य उत्पादन क्षमता बनाए रखने में सफल रहा है, बल्कि उसने ईरान, उत्तर कोरिया और अब चीन जैसे देशों से गुप्त सहायता प्राप्त कर अपने रक्षा उद्योग को और मजबूत किया है। हम आपको याद दिला दें कि चीन से पहले रूस को ड्रोन्स की आपूर्ति में ईरान की अहम भूमिका रही है। श्शहीदश श्रेणी के कामिकाज़ी ड्रोन, जिन्हें ईरान से रूस को भेजा गया, उन्होंने यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान पहुँचाया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया द्वारा गोला–बारूद और मिसाइलों की आपूर्ति की खबरें भी पश्चिमी एजेंसियों के हवाले से सामने आ चुकी हैं। यदि यह प्रवृत्ति यूं ही जारी रही, तो रूस की सैन्य उत्पादन क्षमता न केवल बनी रहेगी, बल्कि युद्ध को और लंबा खींचने में मदद भी मिलेगी। साथ ही, यह वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाला एक नया उदाहरण बनेगा, जिसमें राज्य–प्रायोजित नेटवर्क प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए प्रत्यक्ष युद्ध को अप्रत्यक्ष सहयोग से हवा दे रहे हैं।

पाकिस्तान–बांग्लादेश में वीजा फ्री एंट्री, भारत के लिए पैदा हो गई नई टेंशन

पाकिस्तान और बांग्लादेश द्वारा दोनों देशों के बीच राजनयिकों की अप्रतिबंधित आवाजाही के लिए अधिकारियों के वीज़ा–मुक्त प्रवेश को मंजूरी देने के एक दिन बाद, भारत हाई अलर्ट पर है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी और बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार जहाँगीर आलम चौधरी के बीच ढाका में हुई एक उच्च–स्तरीय बैठक के बाद इस निर्णय की घोषणा की गई। इस्लामाबाद ने एक बयान में कहा कि राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा–मुक्त प्रवेश की सुविधा के संबंध में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है और दोनों देश इस मामले पर एक सैद्धांतिक समझौते पर पहुँच गए हैं। हालाँकि, राजनयिकों के लिए वीज़ा–मुक्त प्रवेश कब लागू होगा, इसकी कोई तारीख़ नहीं बताई गई है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इस कदम पर चिंता व्यक्त की है क्योंकि इससे आईएसआई अधिकारियों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे पूर्वी और पूर्वोत्तर सीमाओं पर राष्ट्रीय सुरक्षा को ख़तरा हो सकता है। सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया है कि बांग्लादेश में पाकिस्तानी अधिकारियों की बढ़ती मौजूदगी भारत विरोधी इस्लामी समूहों को और मज़बूत करेगी, जिससे देश की सुरक्षा को और ज़्यादा ख़तरा होगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अधिकारियों ने आतंकवाद–निरोध, आंतरिक सुरक्षा, पुलिस प्रशिक्षण, मादक पदार्थों पर नियंत्रण और मानव तस्करी से निपटने के उपायों सहित प्रमुख मुद्दों पर भी बातचीत की। नई पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी और समन्वय के लिए एक संयुक्त समिति का गठन किया जाएगा। दोनों देशों ने पुलिस अकादमियों के लिए आदान–प्रदान कार्यक्रम शुरू करने पर सहमति जताई। बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान की राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का दौरा करेगा। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के साथ सहयोग को और बढ़ाने के लिए आंतरिक सचिव खुर्रम आगा की अध्यक्षता में एक संयुक्त समिति का गठन किया है। एक उच्च–स्तरीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल जल्द ही सुरक्षित शहर परियोजना और राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का दौरा करने के लिए इस्लामाबाद आएगा। चौधरी ने नकवी को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए कहा कि आपकी यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मुश्किल वक्त में हम साथ हैं...रूस के विमान दुर्घटना में 48 लोगों की मौत पर पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में हुए दुखद विमान हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रूस और उसके लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। सरकारी समाचार एजेंसी टॉस के अनुसार, यह दुर्घटना पूर्वी अमूर क्षेत्र में हुई, जिसमें पाँच बच्चों सहित 43 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों की मौत हो गई। टॉस ने प्रारंभिक टिप्पणियों का हवाला देते हुए बताया कम दृश्यता के कारण लैंडिंग के दौरान चालक दल की गलती को दुर्घटना का एक कारण माना जा रहा है। क्षेत्रीय गवर्नर वासिली ओरलोव ने बताया कि साइबेरिया स्थित एयरलाइन अंगारा–एएन–24, चीन की सीमा से लगे अमूर क्षेत्र के शहर टिंडा के अपने गंतव्य के निकट पहुंचने पर रडार स्क्रीन बंद हो जाने के कारण लापता हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस

में हुए विमान हादसे में लोगों की मौत पर कहा कि भारत दुख की इस घड़ी में रूस और उसके लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। रूस का एक यात्री विमान रूस–चीन सीमा पर स्थित ब्लागोवेशचेंस्क शहर से तिंडा शहर की ओर उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 48 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रूस में हुए भयानक विमान हादसे में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। पीड़ितों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम रूस और उसके लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

एएन–24 दुर्घटना

खाबरेवस्क–ब्लागोवेशचेंस्क–टिंडा उड़ान भर रहे अंगारा एयरलाइंस के एक एएन–24 विमान का रूस के अमूर क्षेत्र में टिंडा के पास लैंडिंग के दौरान संपर्क टूट गया।

विमान का मलबा टिंडा से 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर मिला। विमान के रडार से गायब होने से पहले कोई संकट संकेत नहीं भेजे गए थे।

आपातकालीन सेवाओं की प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विमान में सवार किसी भी व्यक्ति के जीवित नहीं बचने की संभावना है।

यात्रियों की संख्या रिपोर्टों में थोड़ी भिन्न होती है: आपातकालीन सेवाओं का कहना है कि 40 यात्री (दो बच्चों सहित) और छह चालक दल के सदस्य थे; क्षेत्रीय गवर्नर का कहना है कि 43 यात्री (जिनमें पाँच बच्चे थे) और छह चालक दल के सदस्य थे।

घने टैगा और दलदली भूमि ने खोज प्रयासों को जटिल बना दिया।

रूस के आपराधिक संहिता के भाग 3 के अनुच्छेद 263 (हवाई यातायात सुरक्षा नियमों का उल्लंघन जिसके कारण कई मौतें हुईं) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

मस्जिद की सुरक्षा AI करेगी, फेस रिकग्निशन से लेकर क्राउड कंट्रोल सब का जिम्मा सौंपा गया

तुर्किये की 15 शताब्दियों से खड़ी और इतिहास में तीन बार पुनर्निर्मित, हागिया सोफिया की सुरक्षा अब अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित प्रणाली के हवाले कर दी गई है।

मूल रूप से इस्तांबुल की विजय के बाद मस्जिद में परिवर्तित हागिया सोफिया को 1934 में मंत्रिपरिषद के एक आदेश द्वारा एक संग्रहालय के रूप में पुनर्निर्मित किया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227